छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, गुरुवार 29 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-120 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

रैंकिंग में दुनिया के अभिषेक शर्मा बने नंबर-1 टी20 बल्लेबाज



नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में शतक जमाने वाले भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ताजा ICC रैंकिंग में दुनिया के नंबर-1 टी-20 बल्लेबाज बन गए हैं। पिछले सप्ताह तक टॉप पर रहे ईशान किशन दो स्थान फिसल कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।चार भारतीय बल्लेबाज टॉप-10 में शामिल हैं। गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स की टॉप-10 लिस्ट में कोई भारतीय खिलाड़ी नहीं है। अफगानिस्तान के राशिद खान नंबर-1 गेंदबाज और जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा नंबर-1 ऑलराउंडर हैं। साहिबजादा को ईशान के चोटिल होने का फायदा मिला पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान ने 13 अक्टूबर के बाद

दिल्ली में भाजपा की लोकतंत्र बचाओ रैली, नितिन नवीन 1.5 किमी का मार्च निकालेंगे



नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज दिल्ली के चांदनी चौक में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा निकालेंगे। पदयात्रा गौरी शंकर मंदिर से शुरू होकर टाउन हॉल तक निकलेगी। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनको लेकर विपक्ष के विरोध के बीच बीजेपी यह अभियान चलाएगी। पदयात्रा में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। भाजपा ने मंगलवार रात अपने एक्स हैंडल पर इसकी जानकारी दी ।जपा इस अभियान के तहत देशभर में भी पदयात्राएं निकालेगी। राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपने-अपने क्षेत्रों में होने वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

एमपी से राज्यसभा जाएंगे केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी



भोपाल। भाजपा ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी को मध्य प्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने 28 अक्टूबर को उनके नाम की घोषणा की। पुरी केंद्र सरकार में पेट्रोलियम मंत्री हैं। यह सीट केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। उन्होंने 14 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिपरिषद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा। इसी दिन शाम 5 बजे काउंटिंग होगी ।मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए सामान्य स्थिति में 116 मतों का कोटा है। हालांकि, कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा मतदान में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। ऐसे में 229 जीत का कोटा निर्धारित नियमों के अनुसार तय किया जाएगा।

महिला पहलवानों की अपील पर बृजभूषण सिंह को कोर्ट से आखिरी मौका



नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें महिला पहलवानों की अपील पर जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका दिया है। अदालत ने इसके लिए एक सप्ताह का समय दिया है। कोर्ट ने साफ कर दिया है कि इसके बाद जवाब दाखिल करने के लिए कोई और मोहलत नहीं दी जाएगी ।इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश दिग्विजय सिंह की अदालत में हुई। चार महिला पहलवानों ने ट्रायल कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3प्रतिशत बढ़कर 63 प्रतिशत हुआ

48 लाख कर्मचारियों, 68 लाख पेंशनर्स को फायदा; नई दरें 1 जुलाई, 2026 से लागू

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता 3त्न बढ़ा दिया है। बुधवार 28 अक्टूबर को हुई कैबिनेट मीटिंग में ष्ठ बढ़ोतरी पर फैसला हुआ।इस बढ़ोतरी से महंगाई भत्ता 60त्न से बढ़कर 63त्न हो जाएगा। इससे लगभग 48 लाख कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनर्स को फायदा होगा। नई दरें 1 जुलाई, 2026 से लागू मानी जाएंगी। सरकार इसपर 10 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी।इससे पहले सरकार ने अप्रैल में कर्मचारियों के डीए और



आगामी सैलरी के साथ दिया जाएगा

हायर पे-स्केल वालों के लिए- अगर किसी वरिष्ठ अधिकारी की बेसिक सैलरी ?56,100 है, तो उनकी मासिक सैलरी में लगभग ?1,683 की सीधी बढ़ोतरी होगी।एरियर का भुगतान- चूंकि यह फैसला जुलाई से प्रभावी है, इसलिए कर्मचारियों को जुलाई, अगस्त और सितंबर महीने का बकाया भी आगामी सैलरी के साथ दिया जाएगा।

पेंशनर्स के लिए ष्ठक्रमें 2 फीसदी का इजाफा किया था। उस बढ़ोतरी के साथ ष्ठ की दर 60त्न पर पहुंच गई थी। अब 3 फीसदी की ताजा बढ़ोतरी के बाद यह आंकड़ा 63 फीसदी हो गया है।सरकार के इस फैसले से त्योहारों के सीजन में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सीधा आर्थिक फायदा मिलेगा और पिछले महीनों का एरियर भी खाते में आएगा।मिनिमम बेसिक सैलरी वालों के लिए-अगर किसी कर्मचारी की बेसिक पे ?18,000 है, तो 3त्न की बढ़ोतरी के हिसाब से हर महीने ?540 का इजाफा होगा।

शंकरगढ़ में बनेगा बालक हायर सेकेंडरी स्कूल का नया भवन,

मुख्यमंत्री साय ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय लरंग साय जी की प्रतिमा का किया वर्चुअल अनावरण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से बलरामपुर जिले के ग्राम चिरई-जसवंतपुर में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय श्री लरंग साय जी की प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान और सरगुजा अंचल के विकास में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बलरामपुर जिले को ?202 करोड़ 65 लाख की लागत के 2,009 विकास कार्यों की सौगात दी। इनमें ?156 करोड़ 68 लाख के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन तथा ?45 करोड़ 97 लाख के 146 पूर्ण कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

सरगुजा अंचल सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों का संतुलित विकास हमारी



सरकार का संकल्प ÷ मुख्यमंत्री श्री साय मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लरंग साय जी जनसेवा के प्रति समर्पित ऐसे जननेता थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, जनजातीय समाज और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित कर दिया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए सदैव जनता के हितों को सर्वोपरि रखा। जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को समाजसेवा, समर्पण और जनकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय लरंग साय जी के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि जब वे पहली बार विधायक बने, तभी से उन्हें काका लरंग साय जी के निकट संपर्क में आने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने बताया कि सांसद के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान काका जी अक्सर उनके निवास पर आया करते थे और कई बार वहीं ठहरते थे।

जंगल में ऑपरेशन, आसमान से हमला



भारत-इंडोनेशिया के स्पेशल फोर्सेज का 'गरुड़ शक्ति' युद्धाभ्यास शुरू

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत और इंडोनेशिया का संयुक्त युद्धाभ्यास गरुड़ शक्ति 2026 शुरू हो गया है। इसमें भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट की स्पेशल फोर्सेज के जवान हिस्सा ले रहे हैं। यह बान्युवांगी में आयोजित की जा रही हैभारत और इंडोनेशिया के स्पेशल फोर्सेज का संयुक्त युद्धाभ्यास 'गरुड़ शक्ति' का 11वां संस्करण शुरू हो गया है। यह सैन्य अभ्यास 27 अक्टूबर से 6 नवंबर 2026 तक इंडोनेशिया के बान्युवांगी में आयोजित किया जा रहा है। इसमें दोनों देशों के विशेष सैन्य बल जंगल में ऑपरेशन, एयर असॉल्ट और कॉम्बैट ट्रेनिंग के माध्यम से कठिन परिस्थितियों में युद्ध कौशल का अभ्यास करेंगे।इस युद्धाभ्यास में भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट की स्पेशल फोर्सेज के जवान हिस्सा ले रहे हैं। वहीं, इंडोनेशिया की ओर से वहां की स्पेशल फोर्सेज के सैनिक शामिल हुए हैं। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के स्पेशल फोर्सेज के बीच आपसी समझ, सहयोग और संयुक्त ऑपरेशन करने की क्षमता को बढ़ाना है।



विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में यूपी ने 6 ऑलराउंडर खरीदे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) 2027 ऑक्शन में पांचों टीमों ने अपनी जरूरत के हिसाब से स्क्वॉड में बदलाव किए। यूपी वॉरियर्ज ने 6 ऑलराउंडर्स पर भरोसा जताया, RCB ने अपने चैंपियन कोर को मजबूत किया, जबकि मुंबई इंडियंस ने भारतीय खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाई।हालांकि, ऑक्शन में खिलाड़ियों को खरीदना सिर्फ पहला कदम है। टीमों के लिए असली चुनौती नए और पुराने खिलाड़ियों के बीच तालमेल बनाने, सही कॉम्बिनेशन चुनने और मैदान पर अपनी कमजोरियों को दूर करने की होगी।ऑक्शन से पहले पांचों टीमों के पास कुल 27 स्लॉट खाली थे।

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार भारत ने पाकिस्तान को भेजा न्योता

SCO बैठक के लिए बुलाया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने 20 से 22 नवंबर तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले पहले 'सिविलाइज़ेशनल डायलॉग फोरम' (सभ्यता संवाद मंच) के लिए पाकिस्तान सहित स्ष्ठह के सभी 10 सदस्य देशों को आमंत्रित किया है। मई 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते दोनों देशों के बीच हुई सैन्य झड़पों के बाद से भारत की ओर से पाकिस्तान को दिया गया यह पहला ऐसा न्योता है।

संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित किए जाने वाले इस संवाद का प्रस्ताव पिछले साल तियानजिन में आयोजित स्ष्ठह नेताओं के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा था, जिसे स्ष्ठह परिषद ने स्वीकार कर लिया था। सरकार ने इस कार्यक्रम के लिए पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को आमंत्रित किया है। इसके अलावा, चीन, रूस, ईरान, बेलारूस और मध्य एशियाई देशों सहित 10 सदस्य देशों के संस्कृति मंत्रियों, 15 संवाद साझेदारों और पर्यवेक्षक देशों को भी आमंत्रित



भारत SAARC की बैठकों में नहीं हुआ है शामिल

पाकिस्तान के साथ मतभेदों के कारण 2016 से ही मोदी सरकार ने इस्लामाबाद में 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ' (SAARC) की बैठकों में हिस्सा लेने से इनकार किया है। हालांकि, इससे पहले भारत वहां स्ष्ठह (शंघाई सहयोग संगठन) की बैठकों में शामिल हो चुका है, जिसमें SCO-रीजनल एंटी-टेरर स्ट्रक्चर (RATS) की बैठकें भी शामिल हैं।



'टाटा को बर्बाद किया जा रहा

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'ङ्क' पर टाटा समूह को लेकर सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। इस पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए जवाब दिया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी है कि वे हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचें। उन्होंने आगे कहा कि बिना सोचे-समझे व्यावसायिक और कानूनी मामलों को 'आपराधिक' करार देना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ÷राहुल गांधी, आपने बार-बार भारतीय कॉर्पोरेट क्षेत्र और हमारे उद्यमियों की सफलताओं की आलोचना की है।

जियो शेयर लिस्टिंग के इवेंट में परिवार के साथ मौजूद थे; देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बनी

अनंत की स्पीच पर भावुक हुए मुकेश अंबानी

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर1,358 पर लिस्ट हुआ है, जो इसके 1,119 के इश्यू प्राइस से 21त्न ज्यादा है। लिस्टिंग के मौके पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी भावुक हो गए, जब उनके बेटे अनंत ने जियो की कामयाबी की कहानी बताई।जियो प्लेटफॉर्म्स का मार्केट कैप 12.50 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह रिलायंस के बाद मार्केट कैप के हिसाब से देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। रिलायंस का मार्केट कैप 16 लाख करोड़ रुपए है। एयरटेल का मार्केट कैप 12.20 लाख करोड़ रुपए हैं।

जियो की लिस्टिंग के मौके पर अनंत अंबानी ने रिलायंस की



विरासत और लोगों के प्यार को याद करते हुए कहा, ÷जियो को पूरे देश का आशीर्वाद मिला है। मां ने कहा जियो मेरे लाल, दादी ने कहा जुग जुग जियो% और दोस्तों ने कहा जियो यार। उन्होंने कहा कि जियो को भारत की जनता ने बनाया है और देश के लोगों के सपनों को पूरा करना ही उनका असली सपना है।

लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयर बेचें या होल्ड करें?

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आपने सिर्फ लिस्टिंग गेन के लिए पैसा लगाया है, तो लिस्टिंग के दिन मुनाफा वसूलना सही स्ट्रैटेजी होगी। लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टर्स को शेयर को पोर्टफोलियो में होल्ड करने की सलाह है। एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि कंपनी का शेयर कुछ समय में ?1,500 से ?1,800 तक जा सकता है ।र्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, लिस्टिंग वाले दिन शुरुआत में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, इसलिए तुरंत एंट्री न लें।

न्यूज इन शॉर्ट

मुंगेली जिले के श्री नंदूराम ने जताया मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार

रायपुर ।छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की व्यवस्था को किसान हितैषी कदम बताते हुए मुंगेली जिले के ग्राम बोदा निवासी श्री नंदूराम अंचल ने शासन की सराहना की है। नंदूराम ने कहा कि धान खरीदी की यह व्यवस्था किसानों के परिश्रम को उचित महत्व देने और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। खेती-किसानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है।

ऐसे में किसानों की उपज के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा शासन की किसान कल्याणकारी योजनाएं उनके लिए आर्थिक सहारा बनती हैं। ग्राम बोदा के श्री नंदूराम अंचल ने शासन की धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक खरीदी का प्रावधान किसानों के हित में महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलती है और कृषि कार्यों में किए गए निवेश के प्रति भरोसा मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की यह व्यवस्था किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने और खेती-किसानी को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

रायपुर-अभनपुर रेल लाइन का केंद्री-फाटक आज रात से रहेगा बंद



रायपुर। रायपुर-अभनपुर रेल लाइन पर केंद्री रेलवे फाटक बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक बंद रहेगा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल की ओर से रेलवे फाटक क्रमांक आरडी-22 पर मरम्मत का काम किया जाएगा। इसके चलते 28 अक्टूबर की रात 9 बजे से 29 अक्टूबर की सुबह 9 बजे तक इस फाटक से सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। यह रेलवे फाटक रायपुर-अभनपुर रेल लाइन पर किलोमीटर 31/6-7 पर स्थित है। रेलवे प्रशासन यहां जरूरी मरम्मत करेगा, ताकि रेलगाड़ियों का संचालन सुरक्षित तरीके से हो सके। इस काम के लिए फाटक को तय समय तक बंद रखा जाएगा।वैकल्पिक रास्तों का करें इस्तेमालफाटक बंद रहने के दौरान इस रास्ते से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने आम नागरिकों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे असुविधा से बचने के लिए दूसरे रास्तों का इस्तेमाल करें। लोगों से मरम्मत कार्य के दौरान सहयोग करने की भी अपील की गई है।

गुरुवार सुबह 9 बजे खुलेगा फाटक

रेलवे के तय कार्यक्रम के अनुसार, मरम्मत का काम पूरा होने के बाद 29 अक्टूबर की सुबह 9 बजे सड़क यातायात फिर से शुरू किया जाएगा। इस दौरान वाहन चालकों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने और बंद फाटक तक पहुंचने से बचने की सलाह दी गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने की सौजन्य मुलाकात

राज्योत्सव में आसमान पर दिखेगा भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और अद्भुत उड़ान कौशल का रोमांचक नजारा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित उनके निवास कार्यालय में भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर टीम के सदस्यों ने मुख्यमंत्री श्री साय को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने टीम के सदस्यों का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत करते हुए राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित राज्योत्सव में उनकी सहभागिता को प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम का आगमन प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव की बात है। भारतीय वायु सेना अपने अदम्य साहस, अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट पेशेवर दक्षता के लिए विश्वभर में सम्मानित है। सारंग टीम का हवाई प्रदर्शन इन गौरवशाली परंपराओं का जीवंत परिचय कराएगा। उन्होंने कहा कि राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह एयर शो छत्तीसगढ़वासियों, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव होगा।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों का शौर्य और पराक्रम प्रत्येक देशवासी के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। सारंग टीम के पायलट जिस साहस, सटीकता और आपसी समन्वय के साथ आसमान में कठिन हवाई करतब प्रस्तुत करते हैं, वह उनके कठोर प्रशिक्षण, अनुशासन और उत्कृष्ट टीम भावना का परिचायक है। यह प्रदर्शन युवाओं में दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकी

दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर ⁼ बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकीरायपुर ⁼ बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकीरायपुर ⁼ बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकीबारिश से प्रभावित राजधानी रॉयल्स बनाम बैलाडिला बुल्स के मुकाबले में चिंगलेनसाना सिंह की टीम ने आज रात छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 1-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के बाद बुल्स ने सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। वहीं रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गई है।



रायपुर ⁼ बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकी

बारिश के कारण करीब एक घंटे देर से शुरू हुए मैच में लीग में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही बुल्स को अपने पहले गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा।

जैसे ही सर्कल में मौका बना, राहुल यादव ने गेंद पर जोरदार शॉट मारा, जिससे उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पूरे मैच में कई मौके बनने के बावजूद 60 मिनट के खेल में यही एकमात्र गोल रहा।

गीले मैदान में जब रॉयल्स की टीम बुल्स के हाफ में प्रवेश करने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, तब बुल्स ने लगभग अपना दूसरा गोल कर ही लिया था। गोपाल पैकरा ने गेंद को गोलपोस्ट की तरफ मोड़ा, लेकिन अंपायर ने इस गोल को अमान्य करार दिया।

हालात काफी खराब थे, फिर भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पास सही जगह तक नहीं पहुंच पा रहे थे और शॉट्स की गति भी काफी कम हो गई थी।

बुल्स के जसकरण को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार गेंद को अंदर भेजने (इंजैक्शन) का तरीका सही नहीं रहा, जिससे कोई गोल नहीं हो सका। पहले हाफ के अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे।

तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी खिलाड़ियों को बारिश से जूझना पड़ा। सर्कल में भरे पानी की वजह से फॉरवर्ड लाइन अपनी मनचाही रणनीति के साथ नहीं खेल पाई। कुल मिलाकर रॉयल्स के लिए पूरी लीग काफी निराशाजनक रही। रॉयल्स की टीम पेनल्टी कॉर्नर पर एक भी गोल नहीं कर सके, जो उनकी हार का सबसे बड़ा कारण रहा। इसके बावजूद हिमांशु को %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया, जबकि राहुल ने %स्ट्राइकर ऑफ द मैच% का पुरस्कार जीता।

न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स का मैच 1-1 से ड्रॉ

कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई। इस नतीजे का मतलब यह है कि टाइटन्स को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से कुछ हमले किए गए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। हालांकि सेमीफाइनल में जगह बना चुकी नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर के अंत में गोल करके खाता खोला। केतन ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल किया, जब उन्होंने रिबाउंड पर गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचा दिया। इस तरह वे हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त के साथ गए।

तीसरा क्वार्टर काफी शांत रहा। नाइट्स के मजबूत डिफेंस ने विपक्षी टीम की फॉरवर्ड लाइन के लिए गोल करना नामुमकिन बना दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सर्कल के अंदर गेंद किसी खिलाड़ी के पैर से न छुए, जिससे स्कोर 1-0 पर ही टिका रहा।

लेकिन मैच के अहम मोड़ पर मैनपाट को कुछ खास करने की जरूरत थी। उन्होंने अटैक में ज्यादा खिलाड़ियों को लगाया, जिसका नतीजा यह रहा कि मोहित ने उनके लिए गोल कर दिया। केतन को %स्ट्राइकर ऑफ द मैच% का पुरस्कार मिला, जबकि मोहित को %प्लेयर ऑफ द मैच% चुना गया। मैनपाट के पास 29 अक्टूबर को संस्कारधानी स्ट्राइकर्स के खिलाफ खेलकर सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका होगा।

मिनीमाता महतारी जतन योजना से कविता ध्रुव को मिली 20 हजार रुपये की सहायता



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

राज्य शासन द्वारा श्रमिक परिवारों की महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने तथा मातृत्व के दौरान सहयोग देने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत गरियाबंद जिले की हितग्राही श्रीमती कविता ध्रुव को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। श्रीमती कविता ध्रुव ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त सहायता राशि से उन्हें अपने बच्चों के लालन-पालन, देखभाल एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मातृत्व के दौरान मिलने वाली यह आर्थिक सहायता श्रमिक परिवारों के लिए काफी उपयोगी है। इससे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने तथा नवजात शिशु की देखभाल में सहयोग मिलता है। उन्होंने सहायता राशि प्रदान करने के लिए राज्य शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ निर्धारित पात्रता एवं शर्तों के अनुसार पंजीकृत निर्माण श्रमिक महिला अथवा पंजीकृत निर्माण श्रमिक की पत्नी को दिया जाता है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए श्रम विभाग में पंजीयन होना आवश्यक है। बच्चे के जन्म के बाद निर्धारित आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संबंधित श्रम कार्यालय अथवा निर्धारित श्रम सुविधा केंद्र में जमा किए जा सकते हैं। पात्रता की जांच के बाद स्वीकृत सहायता राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। श्रीमती कविता ध्रुव ने कहा कि इस तरह की जनकल्याणकारी योजनाएं श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ महिलाओं और बच्चों के बेहतर भविष्य के

दीपावली-छठ पर दुर्ग से निजामुद्दीन के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन:1 से 16 नवंबर तक तीन-तीन फेरे लगाएगी, रायपुर समेत 6 स्टेशनों पर ठहराव

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली और छठ पूजा के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दुर्ग-निजामुद्दीन-दुर्ग के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में तीन-तीन फेरे लगाएगी। इससे यात्रियों को त्योहार के दौरान सफर करने में सुविधा मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर, उसलापुर, पेंड्रारोड, अनूपपुर, शहडोल और उमरिया स्टेशनों पर इस ट्रेन का ठहराव रहेगा।

गाड़ी संख्या 08751 दुर्ग-निजामुद्दीन पूजा स्पेशल दुर्ग से 1, 8 और 15 नवंबर को रविवार के दिन रवाना होगी। वहीं, गाड़ी संख्या 08752 निजामुद्दीन-दुर्ग पूजा स्पेशल 2, 9 और 16 नवंबर को सोमवार के दिन निजामुद्दीन से चलेगी। दुर्ग से ट्रेन सुबह 10⁼45 बजे रवाना होकर 11⁼20 बजे रायपुर पहुंचेगी। यहां पांच मिनट रुकने के बाद आगे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 11⁼10 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी।

वापसी में निजामुद्दीन-दुर्ग स्पेशल ट्रेन दोपहर 12⁼30 बजे निजामुद्दीन से रवाना होगी। मथुरा, आगरा कैंट, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, सागर, दमोह और कटनी मुड़वारा होते हुए यह ट्रेन अगले दिन सुबह 4⁼18 बजे उमरिया पहुंचेगी। इसके बाद शहडोल, अनूपपुर, पेंड्रारोड और उसलापुर होते हुए दोपहर 12⁼10 बजे रायपुर पहुंचेगी। रायपुर से 12⁼15 बजे रवाना होकर दोपहर 1⁼45 बजे दुर्ग पहुंचेगी।

रेलवे के अनुसार, इस स्पेशल ट्रेन में कुल 20 कोच होंगे। इनमें 2 एसएलआरडी, 4 जनरल, 11 स्लीपर, 2 एसी थर्ड और 1 एसी सेकंड श्रेणी का कोच शामिल है। इससे अलग-अलग श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

10वीं की छात्रा को रास्ते में रोककर मारपीट

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुझसे बात क्यों नहीं करती, मुझसे मिलती क्यों नहीं है' कहकर 10वीं की छात्रा को रास्ते में रोक लिया। बात करने से इनकार करने पर उसके साथ मारपीट की। भाई ने विरोध किया तो आरोपी ने अपने दो साथियों को बुला लिया।आरोप है कि इसके बाद तीनों ने भाई-बहन के साथ गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान आरोपी ने चाबी से छात्रा के भाई के सिर पर वार कर दिया। मामला उरकुरा इलाके का है। शिकायत पर खमतराई पुलिस ने स्वतःकदर्ज की है।

प्रदेश में 801 सोलर दीदियां चिन्हांकित, 19 महिला संकुल संगठन बने सोलर वेंडर, 94 सोलर सिस्टम स्थापित

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की 801 महिलाएं बनेंगी सौर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई पहचान

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की 801 महिलाएं बनेंगी सौर ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई पहचानछत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं अब स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। कभी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं अब सौर ऊर्जा जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'द्वीप्ति योजना' (ष्ठद्बद्गश्रश्चक्कह्लढ्ढ) ग्रामीण महिलाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़कर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं गांव-गांव सौर ऊर्जा का उजियारा पहुंचाने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं।

प्रदेश में अब तक बिहान मिशन से जुड़ी 801 महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में चिन्हांकित किया गया है। वहीं 19 संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) का सोलर वेंडर के रूप में पंजीयन किया जा चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों में 94 सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं तथा 415 सोलर स्थापना के प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। यह प्रगति दर्शाती है कि ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की यह पहल अब धरातल पर आकार ले रही है।



महिलाएं अब केवल हितग्राही नहीं, बल्कि बनेंगी ऊर्जा उद्यमी

द्वीप्ति योजना का पूरा नाम 'डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिसी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन' है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के अंतर्गत विकसित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की मुख्यधारा से जोड़ना है। योजना की विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाली हितग्राही नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में वेंडर, तकनीशियन, प्रबंधक और उद्यमी के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के संकुल स्तरीय संगठनों को अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत कर उन्हें व्यवसाय संचालन का अवसर दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़कर तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। महिला संकुल संगठनों को उद्यम के रूप में विकसित कर उन्हें सोलर सिस्टम की स्थापना, संचालन और रखरखाव जैसी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लखपति दीदी के संकल्प को आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण प्रयास है।

कबीरधाम से मिली नई दिशा, सोलर दीदियों ने संभाली तकनीकी जिम्मेदारी

द्वीप्ति योजना के प्रारंभिक क्रियान्वयन में कबीरधाम जिला एक प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आया है। जिले में बिहान मिशन के अंतर्गत कवर्धा के वंदेमातरम् महिला संकुल स्तरीय संगठन को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत किया गया है। यहां स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर सोलर दीदी के रूप में तैयार किया गया।

जिले के ग्राम समनापुर में इस पहल के अंतर्गत शुरुआती रूफटॉप सोलर सिस्टम की स्थापना की गई। प्रगति आजीविका ग्राम संगठन के अंतर्गत माता भवानी स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती अंजनी पटेल भी इस प्रशिक्षण से लाभान्वित होने वाली महिलाओं में शामिल हैं। उनके लिए सौर ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने का अवसर आजीविका की नई उम्मीद लेकर आया है। यह पहल अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी तकनीकी कार्यों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे रही है। कबीरधाम में सोलर पैनल स्थापना से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से प्रति सोलर दीदी को प्रत्येक स्थापना पर 500 से 1000 रुपए तक आय होने का अनुमान है। वहीं महिला संकुल संगठन के लिए भी अतिरिक्त आमदनी के अवसर विकसित किए जा रहे हैं।

सोलर पैनल स्थापना से लेकर तकनीकी सेवाओं तक महिलाओं की भागीदारी

योजना के अंतर्गत सोलर दीदियों को सौर ऊर्जा के लाभ, हितग्राहियों का पंजीयन, सोलर सिस्टम की स्थापना, बुनियादी तकनीकी जानकारी और रखरखाव से संबंधित कार्यों से जोड़ा जा रहा है। ये महिलाएं ग्रामीण परिवारों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपलब्ध सब्सिडी, बिजली बिल में संभावित बचत और सोलर पैनल स्थापना की प्रक्रिया की जानकारी भी दे रही हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

अरनब साइक्लोन के संभावित वर्षा से राहत एवं बचाव के लिए जिला स्तरीय एवं तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर जारी

सक्ती। अरनब साइक्लोन के प्रभाव से जिले में वर्षा की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की सुविधा के लिए जिला स्तरीय आपदा नियंत्रण कक्ष स्थापित करते हुए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर एवं तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर जारी किया गया है। नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे क्रियाशील रखा जाएगा, ताकि आपात स्थिति में आम नागरिकों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जिले में संभावित बाढ़ एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव तथा राहत कार्यों के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। जिले में बाढ़ अथवा किसी अन्य प्राकृतिक आपदा से संबंधित सूचना देने, सहायता प्राप्त करने तथा आपात स्थिति की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाने के लिए नागरिक जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर 07752299304 तथा तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम नंबर, तहसील चंद्रपुर के लिए 9131970250, तहसील डभरा के लिए 9340469014, तहसील हसौद के लिए 9301102940, तहसील मालखरौदा के लिए 7697275477, तहसील अड़भार के लिए 7354478320, तहसील जैजैपुर के लिए 7806074071, तहसील भोथिया के लिए 6263081370 तथा तहसील नया बाराद्वार के लिए 9244008369 तहसील स्तरीय कंट्रोल रूम नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। इसके साथ ही आमजन अपने नजदीकी एसडीएम कार्यालय व तहसील कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्क एवं मुस्तैद रहकर अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा आपदा की स्थिति में प्राप्त सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नियंत्रण कक्ष में अधिकारी-कर्मचारियों की निर्धारित पालियों में ड्यूटी लगाकर आपदा से संबंधित सूचनाओं की निगरानी, आवश्यक समन्वय तथा राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

सोनोग्राफी-एक्सरे की सुविधा बंद, एमआरआई भी शुरू नहीं हुई

रायपुर।सरकारी मेडिकल कॉलेज में इलाज की उम्मीद लेकर पहुंचने वाले मरीजों के लिए जांच की सुविधा ही बड़ी परेशानी बन रही है। सोनोग्राफी बंद है, एक्स-रे नहीं हो रहा अर एमआरआई सेवा अब तक शुरू नहीं हुई है।सीटी स्कैन मशीन भी बार-बार खराब हो रही है। ऐसे में डॉक्टरों की सलाह पर जरूरी जांच कराने पहुंचे मरीजों को निजी संस्थानों में जाना पड़ सकता है। खासकर गर्भवतियां, गंभीर मरीज और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।यह स्थिति ऐसे समय है, जब मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पताल के भवनों में मरम्मत व निर्माण कार्यों के लिए 50 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। जून 2026 में स्वशासी समिति ने करीब 47 लाख रुपए से विभिन्न चिकित्सा उपकरण खरीदने की मंजूरी भी दी थी।इसमें पोर्टेबल एक्स-रे मशीन और डिजिटल रेडियोग्राफी सिस्टम शामिल है। उपकरण खरीदने की मंजूरी और मरीजों को जांच की सुविधा मिलने के बीच का अंतर अब भी बना हुआ है। मेडिकल कॉलेज में जांच सुविधाओं की समस्या लंबे समय से बनी हुई है।मेडिकल कॉलेज में एमआरआई सुविधा शुरू करने के लिए जुलाई 2026 में मशीन खरीदने का टेंडर जारी हुआ था। उपलब्ध टेंडर रिकॉर्ड के अनुसार, सितंबर 2026 में यह प्रक्रिया निरस्त हो गई। इससे एमआरआई सेवा शुरू होने में देरी का एक कारण सामने आता है। एमआरआई शुरू नहीं होने से जिन मरीजों को इस जांच की जरूरत होती है, उन्हें दूसरे केंद्रों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। ऐसे में जांच का खर्च और आने-जाने की परेशानी भी बढ़ रही है।। कुछ समस्याओं की जांच में उपयोगी। सोनोग्राफी- अल्ट्रासाउंड तरंगों से शरीर के अंदरूनी अंगों की तस्वीर बनती है। गर्भावस्था और पेट से जुड़ी कई जांचों में इसका इस्तेमाल होता है।सीटी स्कैन- एक्सरे की मदद से शरीर के अंदरूनी हिस्सों की विस्तृत क्रॉस-सेक्शन तस्वीरें तैयार करता है। चोट, रक्तस्राव और कई बीमारियों की जांच में उपयोगी। एमआरआई- चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो तरंगों से तस्वीरें बनाता है। दिमाग, रीढ़, जोड़ों और शरीर के कोमल ऊतकों की जांच में इस्तेमाल होता है।

बच्चों की सुरक्षा के साथ उनकी प्रतिभा, कौशल और आत्मविश्वास को भी मिले पूरा अवसर- डॉ. वर्णिका शर्मा

बागबाहरा के कन्या छात्रावास और बिहाझर स्थित बालक गृह का निरीक्षण

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी शिक्षा, रुचि और प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़ने के अवसर देना भी आवश्यक है। बाल संस्थानों में संरक्षण और विकास दोनों पहलुओं पर समान रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। यह बात छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने महासमुंद जिला के बागबाहरा प्रवास के दौरान प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास, बागबाहरा और बिहाझर क्षेत्र में संचालित बालक गृह के निरीक्षण के दौरान कही।

बच्चों की सुरक्षा के साथ उनकी प्रतिभा, कौशल और आत्मविश्वास को भी मिले पूरा अवसर- डॉ. वर्णिका शर्मा

निरीक्षण में डॉ. शर्मा ने बच्चों को उपलब्ध सुविधाओं, शैक्षणिक वातावरण, स्वच्छता और दैनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार कर बच्चों के लिए बेहतर और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



कन्या छात्रावास में उन्होंने छात्राओं के कौशल विकास, रचनात्मकता और व्यक्तित्व निर्माण के लिए नियमित गतिविधियां आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने पुस्तकालय एवं रीडिंग रूम को व्यवस्थित और उपयोगी बनाने तथा परिसर में स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश भी दिए। डॉ. शर्मा ने कहा कि हर बच्ची को अपनी रुचि और क्षमता पहचानने तथा उसके अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियां और कौशल प्रशिक्षण उनके आत्मविश्वास तथा भविष्य की तैयारी को मजबूत करते हैं।



नई शिक्षा नीति में कौशल विकास के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों के बीच प्रभावी समन्वय पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाली प्रत्येक बच्ची तक ऐसे अवसर पहुंचें, जिनसे वह अपनी प्रतिभा निखार सके, नए कौशल सीख सके और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सके।

24.70 लाख रुपये से बना महतारी सदन, महिला सशक्तिकरण का केंद्र

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रायपुर।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और महिला स्व-सहायता समूहों की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए महतारी सदन योजना के तहत सुविधाजनक भवन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के ग्राम पुहपुटरा में 24 लाख 70 हजार रुपये की लागत से निर्मित महतारी सदन महिला स्व-सहायता समूहों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है।

पहले समूह की महिलाओं को बैठक के लिए कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ों की छांव का सहारा लेना पड़ता था। अब महतारी सदन में उन्हें सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान मिला है, जहां वे नियमित बैठक कर समूह की गतिविधियों और आजीविका के अवसरों पर खुलकर चर्चा कर रही हैं।

वर्ष 2024-25 में स्वीकृत हुआ निर्माण कार्य

ग्राम पुहपुटरा में महतारी सदन का निर्माण वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत योजना के अंतर्गत 24.70 लाख रुपये की लागत से किया गया है। भवन में बैठने की समुचित व्यवस्था, शौचालय सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे गांव के विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों को नियमित बैठक और सामूहिक गतिविधियों के संचालन में सहूलियत मिल रही है।

अब सुरक्षित वातावरण में खुलकर अपनी बात रखती हैं महिलाएं

लक्ष्य महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती बिंदेश्वरी राजवाड़े ने बताया कि समूह गठन के शुरुआती दिनों में बैठक के लिए कोई निश्चित स्थान नहीं था। कभी किसी सदस्य के घर तो कभी पेड़ के नीचे बैठक करनी पड़ती थी। सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की आवाजाही और भीड़ के कारण महिलाएं अपनी समस्याओं और आजीविका से जुड़े विषयों पर खुलकर चर्चा नहीं कर पाती थीं। उन्होंने बताया कि महतारी सदन बनने से यह परेशानी दूर हुई है। अब समूह की महिलाएं सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान पर एकत्रित होकर अपने विचार साझा करती हैं और आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा करती हैं। बैठक और शौचालय सहित आवश्यक सुविधाओं से उन्हें काफी सहूलियत मिली है। श्रीमती राजवाड़े ने इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

कृषक उन्नति योजना- 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से होगी धान खरीदी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के हित में लिए जा रहे निर्णयों से किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान खरीदी की व्यवस्था को किसान हितैषी कदम बताते हुए मुंगेली जिले के ग्राम बोदा निवासी श्री नंदूराम अंचल ने शासन की सराहना की है। नंदूराम ने कहा कि धान खरीदी की यह व्यवस्था किसानों के परिश्रम को उचित महत्व देने और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। खेती-किसानी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है।



ऐसे में किसानों की उपज के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य पर खरीदी तथा शासन की किसान कल्याणकारी योजनाएं उनके लिए आर्थिक सहारा बनती हैं। ग्राम बोदा के श्री नंदूराम अंचल ने शासन की धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक खरीदी का प्रावधान किसानों के हित में महत्वपूर्ण पहल है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलती है और कृषि कार्यों में किए गए निवेश के प्रति भरोसा मजबूत होता है।

श्री रामलला दर्शन योजना से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में निःशुल्क दर्शन का लाभ

जशपुर जिले के 194 श्रद्धालु 16वें चरण में अयोध्या रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के निःशुल्क दर्शन का अवसर मिल रहा है। योजना के तहत जशपुर जिले के 3,062 से अधिक श्रद्धालु अब तक अयोध्या पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं।



योजना के 16वें चरण में जशपुर जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों, नगर पंचायतों और सियानगुड़ी क्षेत्र से कुल 194 श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुए। विगत दिवस जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम भगत एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

यात्रा का पूरा खर्च वहन कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार

श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के अयोध्या आने-जाने, ठहरने और भोजन की संपूर्ण व्यवस्था का खर्च छत्तीसगढ़ शासन वहन कर रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बिना आर्थिक बोझ के प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का अवसर मिल रहा है। दर्शन कर चुके श्रद्धालुओं ने योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सरिया क्षेत्र की विकास परियोजनाओं की प्रगति की वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने की समीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सरिया में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की। वे वर्चुअल माध्यम से जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में जुड़े।बैठक में परियोजनाओं की वर्तमान प्रगति पर चर्चा की गई। श्री चौधरी ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से विकास कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।



सेवा सेतु से महज दो दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, विशाल संदीप सोरेन को मिली बड़ी राहत

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सेवा पहल 'सेवा सेतु' आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के लिए आवेदन और प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा से नागरिकों को राहत मिल रही है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन की इस सुविधा की सराहना की।

दो दिन में जारी हुआ आय प्रमाण पत्र

तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन, पिता विलियम सोरेन ने आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के परीक्षण एवं निर्धारित औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात मात्र दो दिनों में उनका आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। जारी प्रमाण पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उनके परिवार की सभी स्रोतों से वार्षिक आय 1 लाख 8 हजार रुपये दर्ज की गई है। निर्धारित समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिली।



डिजिटल सेवाओं से नागरिकों को मिल रही सहूलियत

आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अन्य पात्रता संबंधी कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त होने से नागरिकों को अपने आवश्यक कार्य पूरे करने में आसानी होती है। सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा ने शासकीय सेवाओं तक नागरिकों की पहुंच को अधिक सरल बनाता है। डिजिटल प्रक्रिया से आवेदन एवं प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था में पारदर्शिता के साथ समयबद्धता को भी बढ़ावा मिल रहा है। मात्र दो दिनों में आय प्रमाण पत्र प्राप्त होने पर विशाल संदीप सोरेन ने खुशी व्यक्त करते प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें काफी सुविधा हुई।

हर घर नल से जल की सुविधा से मिली राहत, समय और श्रम की बचत के साथ जीवन हुआ आसान

शनि के जीवन में आया बदलाव, जल जीवन मिशन से घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बेहतर जीवन और स्वस्थ परिवार की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साकार करने की दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। मिशन के तहत ग्राम जवारीटोला, ग्राम पंचायत कर्री, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के निवासी शनि के जीवन में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। घर पर नल से पेयजल उपलब्ध होने से अब उनकी पानी की जरूरतें पहले की तुलना में अधिक आसानी से पूरी हो रही हैं।

पानी के लिए दूर जाने की मजबूरी से मिली मुक्ति

शनि बताते हैं कि पहले उनके परिवार को दैनिक उपयोग के लिए पानी जुटाने में काफी परेशानी होती थी। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के लिए कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था। पानी लाने में समय और मेहनत दोनों लगते थे, जिससे रोजमर्रा के अन्य कार्य भी प्रभावित होते थे। विशेषकर परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।



हर घर नल से जल ने बदली जीवन की तस्वीर

जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल से जल' की सुविधा मिलने के बाद अब शनि के घर तक नल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे पानी लाने में लगने वाला समय और श्रम बच रहा है तथा परिवार को दैनिक कार्यों में सहूलियत मिल रही है। घर पर पेयजल की उपलब्धता से स्वच्छता बनाए रखने और बेहतर जीवनशैली अपनाने में भी मदद मिल रही है।

ग्रामीण जीवन में आ रही खुशहाली

जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। शनि के अनुभव से स्पष्ट होता है कि घर तक पेयजल पहुंचने से ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या आसान होती है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में सहायता मिलती है।

न्यूज इन शॉर्ट

कांकेर जिले में 29 अक्टूबर को भी बंद रहेंगे सभी आंगनबाड़ी केंद्र

उत्तर बस्तर कांकेर। जिले में बारिश तथा चक्रवाती तूफान के संभावित प्रभाव व अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसके तहत 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को कांकेर जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा।कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। बारिश के कारण बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों तक आने-जाने में होने वाली संभावित परेशानियों और सुरक्षा संबंधी जोखिमों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

चक्रवाती तूफान `अर्नब' के मद्देनजर 29 अक्टूबर को जिले के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित

बिलासपुर। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से अतिवृष्टि की संभावना को देखते हुए बिलासपुर जिले के सभी स्कूलों में 29 अक्टूबर 2026, गुरुवार को अवकाश घोषित किया गया है। बच्चों की सुरक्षा और स्कूल आने-जाने में होने वाली संभावित कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी विद्यालयों में 29 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के आधार पर संभावित अतिवृष्टि एवं प्रतिकूल मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए एहतियात के तौर पर यह निर्णय लिया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

सक्ती - राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर को होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम

जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े होंगी मुख्य अतिथि

सक्ती। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के स्थापना दिवस के अवसर पर 02 नवंबर को एक दिवसीय जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट कार्यालय के समीप स्थित मैदान में किया जाएगा। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े होंगी। इस अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों व विभागीय प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया जाएगा।

कलेक्टर श्रीमती जयश्री जैन ने जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह-2026 के सफल आयोजन के लिए कानून एवं शांति व्यवस्था, आमंत्रण पत्र वितरण, मंच एवं पंडाल व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मंच संचालन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समय पर दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि समारोह व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

छत्तीसगढ़ में 2027 की छुट्टियों का कैलेंडर जारी, 110 अवकाश घोषित; देखें पूरी लिस्ट

छत्तीसगढ़ सरकार ने साल 2027 के लिए छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने 27 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में राजपत्र प्रकाशित किया है। इसमें सार्वजनिक, सामान्य और ऐच्छिक अवकाश की जानकारी दी गई है।

जारी सूची के मुताबिक, साल 2027 के लिए कुल 110 अवकाश बताए गए हैं। इनमें 19 सार्वजनिक, 29 सामान्य और 62 ऐच्छिक अवकाश शामिल हैं। सार्वजनिक अवकाश पूरे छत्तीसगढ़ में लागू होंगे, जबकि सामान्य और ऐच्छिक अवकाश सरकारी कार्यालयों और संस्थाओं के लिए घोषित किए गए हैं।

सरगुजा ओलंपिक में 4.16 लाख खिलाड़ियों का पंजीयन, विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न

12 खेलों में दमखम दिखा रहे सरगुजावासी, संभाग स्तरीय आयोजन 15-20 नवम्बर तक प्रस्तावित

युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने और खेल प्रतिभाओं को पहचानकर खिलाड़ी के रूप में तैयार करने की पहल - उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



प्रदेश में दूसरी बार हो रहे सरगुजा ओलंपिक में सरगुजा संभाग के 6 जिलों के कुल 4 लाख 16 हजार 813 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुषों से 69 हजार 45 अधिक है। सभी छह जिलों में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिताएं संपन्न हो चुकी हैं। विकासखंड स्तरीय स्पर्धाओं के विजेता खिलाड़ी अब जिला स्तर पर अपना दमखम दिखाएंगे। जिला स्तर के विजेता आगामी नवम्बर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय मुकाबलों में अपने जिलों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव की पहल पर सरगुजा क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने तथा उनकी रचनात्मक और खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें खिलाड़ी के रूप में तैयार करने पिछले वर्ष से सरगुजा ओलंपिक का आयोजन प्रारंभ किया गया है। इसके माध्यम से शासन और जनता के बीच मजबूत एवं प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने का भी लक्ष्य है। इस सोच को धरातल पर उतारने विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

पंजीयन में महिलाएं आगे, सूरजपुर से सर्वाधिक खिलाड़ी

इस साल के सरगुजा ओलंपिक के लिए 10 अगस्त से 10 सितम्बर 2026 तक पंजीयन किया गया था। इस दौरान 1 लाख 73 हजार 884 पुरुषों और 2 लाख 42 हजार 929 महिलाओं ने पंजीयन कराया। विभिन्न खेलों में भाग लेने के लिए पंजीकृत खिलाड़ियों में महिला खिलाड़ियों की संख्या पुरुष खिलाड़ियों से करीब 40 प्रतिशत अधिक है।सरगुजा ओलंपिक में हिस्सेदारी के लिए सूरजपुर जिले से सर्वाधिक 99 हजार 322 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। वहीं बलरामपुर-रामानुजगंज के 91 हजार 995, सरगुजा के 90 हजार 116, जशपुर के 74 हजार 809, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 3 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है।

हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी



21 विद्यालयों में पहुंचा 'सुरक्षित बचपन अभियान', 42 न्यायाधीशों ने बच्चों को बताए अधिकार और सुरक्षा के उपाय

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

हर बच्चे का बचपन, हम सबकी जिम्मेदारी - 21 विद्यालयों में पहुंचा 'सुरक्षित बचपन अभियान', 42 न्यायाधीशों ने बच्चों को बताए अधिकार और सुरक्षा के उपाय

रायपुर। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए रायपुर के 21 विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत 42 न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें बाल संरक्षण कानूनों, व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सतर्कता और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान में 10 अक्टूबर 2026 से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सहायता के उपलब्ध माध्यमों से परिचित कराना है। अभियान के तहत बच्चों को बताया जा रहा है कि किसी भी तरह की असुरक्षा या शोषण की स्थिति में वे किससे संपर्क करें, शिकायत कैसे दर्ज कराएं और निःशुल्क कानूनी सहायता कैसे प्राप्त करें।

रायपुर और गरियाबंद जिले में अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत 26 से 31 अक्टूबर तक विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा साइबर क्राइम विभाग को शामिल करते हुए जिला स्तरीय समन्वय समिति गठित की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देश पर चयनित विद्यालयों में कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

कार्यक्रमों में 'मेरा बचपन, मेरा अधिकार', 'कानून जानो, बचपन बचाओ', 'सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित बचपन', 'बोलो, बताओ, बचाओ' तथा 'न बाल विवाह, न बाल शोषण' जैसे विषयों पर बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास विभाग के पॉक्सो सपोर्ट पर्सन, किशोर न्याय बोर्ड और बाल कल्याण समिति के सदस्य तथा बाल मनोविज्ञान विशेषज्ञ बच्चों के साथ संवाद कर रहे हैं।विद्यालयों के निकट स्थित विधि महाविद्यालयों के शिक्षक और विधि विद्यार्थी भी नुक्कड़ नाटक, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला और पेंटिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से अभियान में सहभागिता कर रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने के साथ उन्हें अपने अधिकारों और सहायता के रास्तों की जानकारी देना है।अभियान की अवधि के बाद भी विद्यालयों में बच्चों के बौद्धिक एवं मानसिकर गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी और सुगम हो, किसानों को न हो परेशानी - कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत

उपार्जन केंद्रों में आवश्यक सुविधाएं समय पर हों सुनिश्चित, संवेदनशील एवं सीमावर्ती केंद्रों पर विशेष निगरानी हेतु किया निर्देशित

छूटे हुए किसानों का एग्रीस्टेक पंजीयन और खसरों की एंट्री समय-सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की तैयारी एवं प्रशिक्षण के सम्बंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों, सहकारी समितियों के प्रबंधकों और ऑपरेटरों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बैठक में धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी पंजीकृत किसानों के खसरों, फसल प्रविष्टियों और रकबे का सत्यापन करने तथा पंजीयन संबंधी त्रुटियों का समय पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसार धान खरीदी की प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और सुगम होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।कलेक्टर श्री दुदावत ने सम्बंधित अधिकारियों को किसानों के रकबे में सुधार, छूटे हुए खसरों की पोर्टल में प्रविष्टि तथा फसल विवरण में त्रुटियों का निराकरण प्राथमिकता से करने को कहा। फसलों की गिरदावरी, सभी पात्र खसरों का एग्रीस्टेक में पंजीयन और वनाधिकार पट्टाधारी हितग्राहियों सहित शेष किसानों का पंजीयन निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराने निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने पिछले वर्ष पंजीकृत प्रत्येक किसान के सभी खसरों, फसलों और रकबे का एग्रीस्टेक में मिलान करने को कहा। समिति प्रबंधक किसानों को समिति में बुलाकर ऑपरेटरों के माध्यम से बी-1 में दर्ज खसरों एवं फसलों की जांच कराएं, ताकि किसी भी पंजीकृत किसान का पात्र खसरा छूटने न पाए। उन्होंने तहसीलदार एवं एसडीएम को तहसील व समितिवार प्रगति की नियमित रूप से समीक्षा करने निर्देशित किया। सभी समितियों को इस आशय का प्रमाण-पत्र भी देना होगा कि पंजीकृत किसानों के सभी पात्र खसरे एग्रीस्टेक में दर्ज हैं।

उन्होंने विशेष श्रेणी वनाधिकार पट्टाधारी, डुबान क्षेत्र के किसान, शासकीय भूमि पर खेती करने वाले तथा शासकीय प्राथमिकता से करने की बात कही।

नवाचार को मिलेगी नई पहचान, युवाओं के नए विचारों पर 10 लाख का पुरस्कार

सकरी महाविद्यालय में सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



युवाओं और विद्यार्थियों में नवाचार एवं उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने तथा उनके नए विचारों को उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य सेजिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा शासकीय नवीन महाविद्यालय सकरी में सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी देते हुए प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की प्रबंधक श्रीमती रेवती कुमार लहरे एवं प्रबंधक श्री छत्रपाल सिंह बिंझवार ने बताया कि प्रतियोगिता के अंतर्गत 10 विभिन्न क्षेत्रों से नए एवं उपयोगी विचार आमंत्रित किए जा रहे हैं। प्रत्येक क्षेत्र से पांच-पांच विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रकार कुल 50 विजेता चुने जाएंगे। प्रत्येक विजेता को 10 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। प्रतियोगिता के तहत कुल 5 करोड़ रुपए के पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समाज एवं उद्योग जगत की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए नए और अभिनव विचार प्रस्तुत करने तथा रचनात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसमें विद्यार्थियों के अलावा अन्य इच्छुक प्रतिभागी एवं नवाचारकर्ता भी हिस्सा ले सकते हैं। इ च छ ु क प्रतिभागीह्यद्द1ड्डद्बठ्ठठ्ठश्र1ड्डह्लद्बश्ठ्ठष्ठड्डद्युद्यद्द ठ्ठद्दद्द.द्बठ्ठ?पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने विद्यार्थियों से प्रतियोगिता की जानकारी अपने परिचितों, अन्य संस्थानों एवं इच्छुक युवाओं तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को पंजीयन के लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं की रचनात्मक सोच और नए विचारों को प्रोत्साहन मिलने से नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर विकसित होंगे।

रोड एम्बुलेंस से सड़कों का इलाज-गड्ढा दिखते ही 48 घंटे में मरम्मत का संदेश

हली बार पेट्रोल मेंटेनेंस यूनिट (पीएमयू) की तैनाती की जा रही है।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

सड़कों पर गड्ढे होने के बाद अब मरम्मत के लिए टेंडर और बजट का इंतजार नहीं करना होगा। क्योंकि लोक निर्माण विभाग के आउटपुट एंड परफॉर्मेंस-बेस्ड रोड मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट के तहत पहली बार पेट्रोल मेंटेनेंस यूनिट (पीएमयू) की तैनाती की जा रही है।

इसे 'रोड एम्बुलेंस' नाम दिया गया है। इसका उद्देश्य सड़क पूरी तरह खराब होने का इंतजार करने के बजाय शुरुआती नुकसान को तत्काल ठीक करना है। गड्ढे, दरार, सड़क धंसने और शोल्डर कटने जैसी समस्याओं पर यह यूनिट 24 से 48 घंटे के भीतर मरम्मत कार्य शुरू करेगी।

कैसे काम करेगी रोड एम्बुलेंस?

सड़क खराब होने से पहले इलाज सड़क पर छोटी दरार या गड्ढा दिखाई देने पर कोल्ड मिक्स, बिटुमिन सीलिंग और जरूरत के अनुसार मरम्मत की जाएगी।



इससे बारिश का पानी सड़क की निचली परतों तक पहुंचने से रोका जा सकेगा। समय पर सुधार होने से सड़क के बड़े हिस्से को दोबारा बनाने की जरूरत भी कम हो सकती है।

मॉनसून में सबसे ज्यादा उपयोगी- बारिश में जलभराव, गड्ढे, कटे हुए शोल्डर और बंद पुलिया सड़क को तेजी से नुकसान पहुंचाते हैं। पेड़ गिरने या मलबा आने से यातायात भी बाधित होता है। ऐसी स्थिति में यूनिट मौके पर पहुंचकर प्राथमिक मरम्मत और जरूरी सफाई करेगी।

वाहन में मिनी वर्कशॉप- यूनिट में 3 से 5 प्रशिक्षित कर्मचारी रहेंगे। वाहन में कोल्ड मिक्स, बिटुमिन इमल्शन, एग्रीगेट, सीमेंट, कंक्रीट मिक्स, प्लेट कॉम्पैक्टर, जैक हैमर, एयर कंप्रेसर, जनरेटर और वाटर पंप जैसे उपकरण उपलब्ध रहेंगे। जरूरत के अनुसार मलबा हटाने और पेड़ों की कटाई के उपकरण भी रखे जाएंगे।

जीपीएस से निगरानी, फोटो से सत्यापन- वाहन में जीपीएस और डैश कैम के जरिए पेट्रोलिंग रूट और रिस्पॉन्स टाइम की निगरानी की जाएगी। मरम्मत से पहले और बाद की जियो-टैग्ड तस्वीरें काम के सत्यापन में मदद करेंगी। इससे यह जांचना आसान होगा कि शिकायत पर कार्रवाई हुई या नहीं।

6 किलोमीटर के लिए 13 टुकड़ों में 5.6 करोड़ मंजूर

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

कोरबा जिला मुख्यालय से करीब 96 किमी दूर स्थित अमलडीहा पंचायत के वनांचल गांव बलसेंधा और मालीकछार आज भी पक्की सड़क की बाट जोह रहे हैं।

वर्ष 2024-25 में जिला खनिज न्यास संस्थान (डीएमएफ) मद से 8.6 किमी सड़क निर्माण के लिए 9 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। चूंकि मार्ग वन क्षेत्र से होकर गुजरता है, इसलिए निर्माण का जिम्मा कोरबा वन मंडल को सौंपा गया।विभाग ने पूरी परियोजना को 13 अलग-अलग कार्यों में बांटकर 5 करोड़ 60 लाख 23 हजार रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति ली। पहली किस्त के रूप में 2.24 करोड़ रुपए जारी भी हो गए, लेकिन दो साल बाद भी जमीनी कीकत जस की तस है।सड़क के नाम पर जंगल की मिट्टी और मुरुम बिछा दी गई, जो पहली ही बारिश में बह गई। नाले पर बनी पाइप-पुलिया भी पानी में समा गई और काटनखर्रा नाले पर प्रस्तावित आरसीसी पुलिया का काम शुरू तक नहीं हो सका। अब ग्रामीण श्रमदान कर मिट्टी डालकर रास्ता बनाने को मजबूर हैं।615 की आबादी, बारिश में बाइक निकालना भी दूभर; एम्बुलेंस भी नहीं पहुंचतीायगढ़ और सरगुजा जिले की सीमा से लगे बलसेंधा (आबादी 305) और मालीकछार (आबादी 310) के ग्रामीण सुविधाओं के अभाव में जी रहे हैं। दोनों में केवल प्राथमिक शालाएं हैं; आगे की पढ़ाई के लिए बच्चों को अमलडीहा जाना पड़ता है।अमलडीहा के उपसरपंच ननकी राम राठिया और स्थानीय निवासी संजय राठिया व भारत सिंह ने बताया कि सड़क के नाम पर गिट्टी और मुरुम बिछाकर छोड़ दिया गया था, जो बारिश में बह गई।मालीकछार में सीसी रोड का काम भी अधूरा रह गया। आलम यह है कि बारिश में दोपहिया वाहन चलाना भी जोखिम भरा हो जाता है। गांव में किसी के स्वास्थ्य केंद्र ले जाना पड़ता है।

कर्ण शर्मा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

8 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे।खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

घरेलू क्रिकेट में करीब 20 साल का करियर

कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट़ और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें 1 बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट़ के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

कलैंड में भारत-न्यूजीलैंड चौथे के सभी टिकट बिके



भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी-20 के सभी टिकट बिक गए हैं। शुक्रवार को ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले मैच को देखने 40 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, यह मैदान पर किसी अंतरराष्ट्रीय मैच की तीसरी सबसे बड़ी दर्शक संख्या हो सकती है।

गंभीर-गिल ने रिजर्व खिलाड़ियों को रिलीज नहीं किया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

रेवस्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला कन्कशन या किसी खिलाड़ी के चोटिल होने की स्थिति में बैकअप तैयार रखने के लिए लिया है। पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा को तेज गेंदबाजों के तौर पर प्लेइंग इलेवन में जगह मिली थी। गुरनूर और आकिब को मौका नहीं मिला था।दूसरे टेस्ट में भी सिराज और प्रसिद्ध के खेलने की संभावना है, लेकिन किसी आपात स्थिति में टीम के पास तुरंत उपलब्ध गेंदबाज रहें, इसलिए दोनों रिजर्व खिलाड़ियों को श्रीलंका में ही रखा गया है।

दलीप ट्रॉफी का नया सीजन भी रविवार से शुरू हो रहा है। ऐसे में गुरनूर और आकिब के लिए घरेलू टूर्नामेंट में खेलने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम के साथ रुकने के कारण वे नॉर्थ जोन के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

सौरव गांगुली दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच बने

अगले आईपीएल सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे, बतौर डायरेक्टर काम कर चुके

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। वे IPL के अगले सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे।गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम कर चुके हैं।



उन्होंने 2025 में प्रिटोरिया कैपिटल्स के हेड कोच के रूप में अपना पहला कोचिंग रोल संभाला था।गांगुली ने IPL में 59 मैचों में 1,349 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा और उन्होंने 7 अर्धशतक लगाए। उन्होंने IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की कप्तानी भी की। गांगुली का IPL डेब्यू 2008 मेंचचक्र के लिए हुआ था। उन्होंने आखिरी मैच 2012 में पुणे वॉरियर्स के लिए खेला। बतौर गेंदबाज उनके नाम 10 विकेट भी हैं।दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपनी पहली ढ्ढक्र ट्रॉफी का इंतजार है। दिल्ली 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस के हाथों हार गई थी।

गांगुली ने 1992 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया और 1996 में इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर टेस्ट डेब्यू करते हुए 131 रन की शानदार पारी खेली।

अपने इंटरनेशनल करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 वनडे में 11,363 रन बनाए। उन्होंने टेस्ट में 16 और वनडे में 22 शतक जड़े।वे साल 2000 में भारत के कप्तान बने। गांगुली की कप्तानी में भारत ने विदेशों में कई ऐतिहासिक टेस्ट मैच जीते और 2003 वर्ल्ड कप फाइनल तक का सफर तय किया।2002 में भारत को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाया। फिर श्रीलंकाई कप्तान सनथ जयसूर्या के साथ ट्रॉफी साझा की। इसी साल लॉर्ड्स में नेटवेस्ट ट्रॉफी जीती। 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था।गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष हैं। 2019 में BCCI के अध्यक्ष बने थे। उन्हें 2022 में पद से इस्तीफा देना पड़ा। उनकी जगह 1983 वर्ल्ड कप बिन्नी को नया चेयरमैन बनाया गया।

व्यापार

टॉप-10 में 4 कंपनियों का मार्केट-कैप 87,960 करोड़ घटा

एयरटेल टॉप लूजर, वैल्यू 28,052 करोड़ घटी; LIC की वैल्यू बढ़ी

एजेंसी ➤ मुंबई

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट रही। इस बीच देश की 10 सबसे वैल्यूएबल कंपनियों में से 4 का मार्केट कैप कुल मिलाकर 87,960 करोड़ घटा है।

इस दौरान टेलीकॉम सेक्टर की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल की मार्केट वैल्यूएशन में सबसे बड़ी 28,052.96 करोड़ की गिरावट देखने को मिली। इसकी वैल्यूएशन घटकर 12.15 लाख करोड़ रह गई है।

एयरटेल के अलावा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप भी घटा है। वहीं 6 कंपनियों- स्ढ्ढष्ट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस,बैंक और बैंक की मार्केट वैल्यू बढ़ी है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स 468.42 अंक (0.60त्न) और ह्रस्श्व निफ्टी 114 अंक (0.46त्न) नीचे गिरकर बंद हुआ।



मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

इसे एक उदाहरण से समझें...

मान लीजिए... कंपनी के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ × 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

कंपनियों की मार्केट वैल्यू शेयर की कीमतों के बढ़ने या घटने के चलते बढ़ता-घटता है।

मार्केट कैप के उतार-चढ़ाव का कंपनी और निवेशकों पर क्या प्रभाव पड़ता है?

कंपनी पर असर ः बड़ा मार्केट कैप कंपनी को मार्केट से फंड जुटाने, लोन लेने या अन्य कंपनी एक्वायर करने में मदद करता है। वहीं, छोटे या कम मार्केट कैप से कंपनी की फाइनेंशियल डिसीजन लेने की क्षमता कम हो जाती है।

निवेशकों पर असर ः मार्केट कैप बढ़ने से निवेशकों को डायरेक्ट फायदा होता है। क्योंकि उनके शेयरों की कीमत बढ़ जाती है। वही, गिरावट से नुकसान हो सकता है,

क्या ट्रम्प अपने फैसलों से शेयर-बाजार में करोड़ों कमा रहे

जून में किए 1 हजार से ज्यादा स्टॉक ट्रेड्स; व्हाइट हाउस बोला- कंप्यूटर संभाल रहा पोर्टफोलियो

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

राष्ट्रपति के एक बयान या फैसले से शेयर बाजार तुरंत ऊपर-नीचे हो जाता है, ऐसे में उनके खातों से करोड़ों की ट्रेडिंग सामने आने के बाद यह सवाल गहरा गया है कि क्या ट्रम्प अपने राष्ट्रपति पद और फैसलों का फायदा शेयर बाजार से पैसा कमाने के लिए उठा रहे हैं?

ट्रम्प के पोर्टफोलियो से जुड़ी इस बड़ी खबर के हर पहलू को 9 आसान सवाल-जवाब में जानें

सवाल 1. रिपोर्ट में ट्रम्प के ट्रेड्स को लेकर मुख्य रूप से क्या जानकारी सामने आई है?

जवाबः शनिवार 22 अगस्त को जारी रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रम्प ने जून 2026 में



1,000 से ज्यादा सिक्योरिटीज ट्रेड्स किए हैं। इन सभी ट्रांजैक्शन की कुल वैल्यू 78.1 मिलियन डॉलर से 263.1 मिलियन डॉलर यानी करीब 7000 करोड़ से 2,500 करोड़ के बीच रही है। जवाबः अमेरिकी नियमों के तहत राष्ट्रपति और शीर्ष अधिकारियों को अपने वित्तीय सौदों की सटीक रकम बताने की जरूरत नहीं होती। नियम के मुताबिक ट्रांजैक्शन के लिए एक दायरा तय किया जाता है। इसलिए रिपोर्ट में न्यूनतम और अधिकतम रेंज दी गई है।

जवाबः जून में सबसे बड़ी डील 22 जून को हुई। इस दिन ट्रम्प ने वैनगार्ड ग्रुप के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के 5 मिलियन डॉलर से 25 मिलियन डॉलर यानी करीब ?48 करोड़ से ?240 करोड़ के शेयर्स बेचे।

बर्कशायर है वेः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 24 जून को कुछ हिस्सा बेचा।

मेटाः 18 जून को 1 मिलियन से 5 मिलियन यानी करीब 10 से 48 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, फिर महीने के अंत में छोटे अमाउंट में शेयर्स खरीदे। प्लांटिरः 3 जून को 1,001 से 15,000 के शेयर खरीदे। 16 और 18 जून को शेयर बेचे, फिर 23 और 24 जून को दोबारा खरीदारी की। अन्य कंपनियांः वीजा, मास्टरकार्ड, सिंटास, कॉइनबेस और होम डिपो।

सवाल 5. क्या इन ट्रेड्स का अमेरिका की जियोपॉलिटिकल घटनाओं से कोई कनेक्शन दिखा?

पीएम को स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

स्पेस में सैटेलाइट री-फ्यूलिंग, दवाइयां बनाने की तैयारी

एजेंसी ➤ मुंबई

अंतरिक्ष में सैटेलाइट रीफ्यूलिंग, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है। पढ़िए इस बातचीत की खास बातेंज

देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने प्लान्स बताए। मुलाकात के दौरान पीएम ने स्टार्टअप्स के प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी ली।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है।

कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

हैदराबाद की स्काईरूट एयरोस्पेस ने शनिवार 18 जुलाई को भारत का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 लॉन्च किया था। इस कामयाब लॉन्च के बाद पीएम मोदी ने स्टार्टअप फाउंडर से फोन पर बात की थी।

फ्यूल स्टेशन, सफाई रोबोट और दवा बनाने वाली सैटेलाइट्स

स्पेस पेट्रोल पंपः एक कंपनी डॉकिंग और रीफ्यूलिंग तकनीक विकसित कर रही है, जो अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट्स में ईंधन भरने का काम करेगी।कचरा हटानाः एक रोबोटिक स्पेसक्राफ्ट पर काम चल रहा है, जो स्पेस में तैरते बेकार और डेड सैटेलाइट्स को पकड़कर ऑर्बिट से बाहर निकालेगा।

स्पेस पेट्रोल पंप और स्पेस फार्मा को जानें

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं।

सरकार बोली- चीनी जमाखोरी से महंगी हुई, इथेनॉल कारण नहीं

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सरकार ने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि चीनी से एथेनॉल बनाने की वजह से बाजार में इसके दाम बढ़े हैं।खाद्य और उपभोक्ता मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि कम उत्पादन, त्योहारी सीजन की मांग और जमाखोरी की वजह से कीमतें बढ़ी हैं।चीनी के बढ़ते दाम को रोकने के लिए स्टॉक लिमिट और ड्यूटी फ्री इंपोर्ट जैसे कदम उठाए गए हैं।

एथेनॉल के लिए चीनी का इस्तेमाल घटा

मंत्रालय ने कहा कि चीनी की बढ़ती कीमतों को एथेनॉल बनाने में इसके इस्तेमाल से जोड़ना पूरी तरह गलत है।पेट्रोल में मिलाने के लिए चीनी से एथेनॉल बनाने का हिस्सा 2022-23 सीजन के 12त्न से घटकर 2025-26 सीजन में करीब 9त्न रह गया है।मौजूदा समय में देश के कुल एथेनॉल उत्पादन का लगभग 75त्न हिस्सा अनाज, खासकर मक्के से आ रहा है।

मिलों और किसानों को कैसे हुआ फायदा?

भारत में हर साल करीब 32-34 मिलियन टन चीनी बनती है और इसकी खबत 28-29



मिलियन टन है। पहले यह एक्स्ट्रा चीनी मिलों में फंसी रहती थी, जिससे उनके पैसे ब्लॉक हो जाते थे और वे गन्ना किसानों का भुगतान नहीं कर पाते थे।अब सरकार इस एक्स्ट्रा चीनी और गन्ने का इस्तेमाल पेट्रोल में मिलाने वाले इथेनॉल को बनाने में कर रही है। इससे मिलों के पास पैसा आया और किसानों को समय पर भुगतान मिलने लगा। 20 अगस्त 2026 तक इस सीजन का 97त्न बकाया किसानों को चुकाया जा चुका है।सरकार की बची भारी सब्सिडी

मिलों की कमाई बढ़ने से अब उन्हें सरकार से मदद की जरूरत नहीं पड़ती। यही वजह है कि सरकार ने 2014 से 2021 के बीच मिलों को 14,600 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी थी, लेकिन साल 2021-22 के बाद से सरकार को 1 रुपए की भी नई सब्सिडी देने की जरूरत नहीं पड़ी है।



महान दरार गणराज्य का दर्शन

कॉकरोचों के यहां कोई विश्वविद्यालय नहीं था। हर बूढ़ा तिलचट्टा चलता-फिरता विश्वविद्यालय था। डिग्रियां नहीं थीं। अनुभव थे। पाठ्यक्रम नहीं था। जीवन था। परीक्षाएं भी होती थीं। पर प्रश्नपत्र समय देता था। और परिणाम अगली सुबह तक घोषित हो जाते थे। इतिहासकार मुस्कराकर लिखते हैं, 'जिस समाज में अनुभव पाठ्यपुस्तक बन जाए, वहां पुस्तकालय छोटे पड़ जाते हैं।' उनके यहां न्यायालय भी नहीं थे। एक दिन एक कॉकरोच पर आरोप लगा कि उसने आवश्यकता से अधिक भोजन जमा कर लिया है। परिषद बैठी। वृद्ध ने केवल एक प्रश्न पूछा, 'क्या तुम्हें कल पर आज से अधिक विश्वास है?' कॉकरोच चुप रहा। वृद्ध ने निर्णय सुना दिया, 'अपराध संग्रह नहीं है। भय है।' सभा समाप्त हो गई। किसी को दण्ड नहीं मिला। क्योंकि वहां न्याय प्रतिशोध नहीं, समझ का दूसरा नाम था। नेतृत्व का नियम भी सरल था। जो सबसे पहले भोजन खोजे, और सबसे बाद में खाए- वही आगे चले। एक बार ऐसा हुआ कि परिषद का प्रमुख सबसे पहले खाने बैठ गया। किसी ने उसका विरोध नहीं किया। अगले दिन किसी ने उसका अनुसरण भी नहीं किया। इतिहासकार लिखते हैं, 'जहां पद से अधिक आचरण का सम्मान हो, वहां चुनाव कम पड़ते हैं।' उसी समय एक युवा कॉकरोच ने पूछा, 'क्या हमारे यहां कभी राजा हुआ था?' वृद्ध मुस्कराया, 'हां।' सभा चौंक गई, 'फिर?' 'एक दिन उसे लगा कि दरार उसी की है।''फिर क्या हुआ?' वृद्ध ने उत्तर दिया, 'उसका अहंकार इतना बड़ा हो गया कि वह दरार से बाहर आ गया।' सभा में कोई नहीं हंसा। क्योंकि उन्हें समझ में आ गया था कि पतन बाहर से नहीं आता, वह भीतर से शुरू होता है। उसी समय दादी धीरे-धीरे वहां से गुज़रीं। उन्होंने बिना रुके कहा, 'जिसे सिंहासन संभालना पड़े, वह अभी राजा नहीं हुआ। जिसे लोग स्वयं आगे कर दें, उसे पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती।' वे कुछ दूर जाकर फिर ठिठकीं। धीमे स्वर में बोलीं, 'और याद रखनाजनियम सभ्यता को बचाते नहीं। नियमों पर विश्वास सभ्यता को बचाता है।' इतना कहकर वे अपनी पुरानी दरार में विलीन हो गईं। सभा देर तक निःशब्द बैठी रही। समय मुस्कराया। इतिहास ने अपनी डायरी में लिखा, 'लिखे हुए संविधान समय के साथ संशोधित होते हैं। अलिखित संविधान पीढ़ियों के साथ परिपक्व होते हैं।' और दरारज्वह चुपचाप सब सुनती रही। उसे मालूम था, 'जिस समाज का सबसे बड़ा क़ानून विश्वास हो, वहां सबसे छोटी दरार भी गणराज्य बन जाती है, और जहां विश्वास टूट जाए, वहां सबसे बड़ा साम्राज्य भी भीतर से दरकने लगता है।' सभा समाप्त हो चुकी थी। बच्चे अपनी-अपनी दरारों में लौट गए। युवा नई सुरंगों की खोज में निकल पड़े। वृद्ध मौन बैठे रहे। किन्तु समय वहीं रुका रहा। उसे मालूम था कि किसी भी सभ्यता का वास्तविक इतिहास उसके नियमों में नहीं, उनके पीछे छिपे दर्शन में लिखा होता है।

बहुत देर बाद एक बालक लौटकर आया। उसने बूढ़े कॉकरोच से पूछा, 'दादा जी, क्या हमारी सभ्यता मनुष्यों से अच्छी है?' वृद्ध मुस्कुराते हुए बोला, 'सभ्यताएं अच्छी या बुरी नहीं होतीं। वे केवल अपने प्रश्नों के अनुसार बनती हैं।' 'तो हमारा प्रश्न क्या था?' 'कैसे जीवित रहें।' 'और मनुष्य का?' वृद्ध ने कुछ क्षण आकाश की ओर देखा। फिर बोला, 'कैसे अमर हो जाएं।' सभा पर फिर मौन उतर आया। इतिहासकार लिखते हैं, 'एक सभ्यता जीने की कला खोजती रही, दूसरी टिके रहने की।' समय ने दोनों को बराबर अवसर दिए। मनुष्य ने पत्थर चुने। तिलचट्टों ने दरारें। मनुष्य ने स्मारक बनाए। कॉकरोचों ने स्मृतियां।

(एक नजर)

क्या सच में इंसानों ने बनाया था रामसेतु?

समुद्र के बीच पत्थरों और चट्टानों की एक लंबी कतार।।। एक तरफ भारत का रामेश्वरम और दूसरी तरफ श्रीलंका का मन्नार द्वीप। हजारों साल पुरानी धार्मिक परंपरा इसे राम सेतु कहती है, जबकि आधुनिक भूगोल में इसे एडम्स ब्रिज के नाम से जाना जाता है।मान्यता है कि भगवान राम की वानर सेना ने माता सीता को लंका से वापस लाने के लिए इसी समुद्री मार्ग पर सेतु का निर्माण किया था। लेकिन विज्ञान इसे किस नजर से देखता है? क्या यह सच में इंसानों द्वारा बनाया गया पुल था या फिर समुद्र के भीतर प्राकृतिक प्रक्रियाओं से बनी एक अनोखी संरचना? और फिर आती है नासा की वो तस्वीर, जिसने साल 2007 में राम सेतु को लेकर देश-दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी थी। इंटरनेट पर दावा किया गया कि नासा ने अपनी सैटेलाइट तस्वीरों से साबित कर दिया है कि राम सेतु इंसानों ने बनाया था।क्या रामायण में बताए गए पांच दिन में सेतु निर्माण की बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण है? पत्थरों के पानी पर तैरने की कहानी कितनी पुरानी है?

विचार

पत्रकारिता और सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर

उमा ठाकुर
लेखक

डिजिटल क्रांति ने एक नए वर्ग को जन्म दिया है, जिसे आज सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर कहा जाता है। एनफ्लुएंसर समाज का हिस्सा हैं और उनमें से अनेक शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई है, छोटे व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराया है और दूरदराज की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है।

सूचना क्रांति के इस युग में दुनिया हमारी हथेली पर सिमट गई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने संचार के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। कभी समाचारों के लिए लोगों को अगले दिन का अखबार, रेडियो का निर्धारित बुलेटिन या टेलीविजन के समाचार कार्यक्रमों का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर घटनाएं घटने के कुछ ही क्षणों में करोड़ों लोगों तक पहुंच जाती हैं। सूचना का यह तीव्र प्रवाह लोकतंत्र के लिए जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इसी डिजिटल क्रांति ने एक नए वर्ग को जन्म दिया है, जिसे आज सोशल मीडिया एनफ्लुएंसर कहा जाता है। एनफ्लुएंसर समाज का हिस्सा हैं और उनमें से अनेक शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, पर्यावरण, कृषि, पर्यटन, संस्कृति, उद्यमिता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कई प्रतिभाओं को पहचान दिलाई है, छोटे व्यापारियों को बाजार उपलब्ध कराया है और दूरदराज की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल तक पहुंचाया है। लेकिन इसके साथ ही एक ऐसी प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है, जहां बिना तथ्य जांचे, बिना किसी संपादकीय प्रक्रिया और बिना सामाजिक उत्तरदायित्व के सामग्री प्रसारित की जा रही है। यही स्थिति चिंता का विषय है। आज सोशल मीडिया पर कुछ लोग स्वयं को पत्रकार, विश्लेषक या विशेषज्ञ के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं, जबकि उनके पास न पत्रकारिता का प्रशिक्षण होता है, न समाचार लेखन की समझ और न ही मीडिया की नैतिक मर्यादाओं का ज्ञान। परिणामस्वरूप अपुष्ट सूचनाएं, आधे-अधूरे तथ्य, भ्रामक शीर्षक और सनसनीखेज वीडियो कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच जाते हैं।

इससे अफवाहों का बाजार गर्म होता है और समाज में भ्रम



तथा अविश्वास की स्थिति उत्पन्न होती है। यहीं से पत्रकारिता और ब्लॉगिंग अथवा व्लॉगिंग के बीच अंतर को समझना आवश्यक हो जाता है। ब्लॉगिंग और व्लॉगिंग मुख्यतः व्यक्तिगत विचार, अनुभव, जानकारी या मनोरंजन प्रस्तुत करने का माध्यम हैं। इनमें रचनात्मक स्वतंत्रता अधिक होती है। दूसरी ओर पत्रकारिता केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सत्यापित, संतुलित, निष्पक्ष और जनहितकारी सूचना समाज तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है। पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसलिए कही जाती है क्योंकि उसका उद्देश्य केवल खबर देना नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल करना, समाज की आवाज बनना और सत्य को तथ्यों के आधार पर सामने लाना होता है। पत्रकार बनने के लिए केवल कैमरा या मोबाइल फोन पर्याप्त नहीं होता। पत्रकारिता एक विधा है, जिसका अपना इतिहास, सिद्धांत, आचार संहिता, भाषा, कानूनी दायित्व और सामाजिक उत्तरदायित्व है। पत्रकारिता के विद्यार्थी वर्षों तक समाचार लेखन, संपादन, मीडिया कानून, प्रेस नैतिकता, जनसंचार सिद्धांत, फोटो पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, टीवी पत्रकारिता, डिजिटल पत्रकारिता और मीडिया अनुसंधान का अध्ययन करते हैं। किसी भी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित करने से पहले तथ्य जांचना, संबंधित पक्ष का मत लेना, दस्तावेजों की पुष्टि करना और कानूनी पहलुओं का ध्यान रखना पत्रकारिता का मूल आधार है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एक और गंभीर चुनौती क्लिकबेट संस्कृति की है। कई बार शीर्षक ऐसा बनाया जाता है जिससे पाठक या दर्शक आकर्षित हो जाए, जबकि वास्तविक सामग्री उससे बिल्कुल अलग होती है। प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है।

विचार

भारत की परमाणु ऊर्जा सुरक्षा होगी मजबूत

शिखर नेगी
लेखक

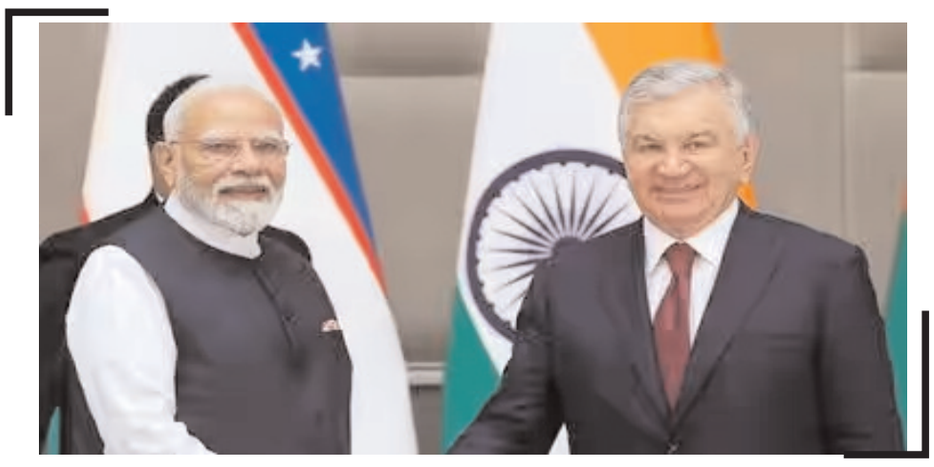
भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने रिश्तों को एक नई ऊंचाई देते हुए रविवार को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में बदलने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ यह समझौता सिर्फ कूटनीतिक रिश्तों के विस्तार तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने भारत को लंबे समय तक यूरेनियम उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने पर भी सहमति जताई है, जिससे भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों को लेकर उज्बेकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप में बदलने का फैसला किया है। इसके तहत भारत को परमाणु ऊर्जा जरूरतों के लिए लंबे समय तक यूरेनियम की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर सहमति बनी है। साथ ही रक्षा, व्यापार और जैसे आधुनिक शहरी विकास मॉडल पर सहयोग बढ़ाया जाएगा।

भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने रिश्तों को एक नई ऊंचाई देते हुए रविवार को 'कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में बदलने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान हुआ यह समझौता सिर्फ कूटनीतिक रिश्तों के विस्तार तक सीमित नहीं है। दोनों देशों ने भारत को लंबे समय तक यूरेनियम उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने पर भी सहमति जताई है, जिससे भारत की परमाणु ऊर्जा जरूरतों को लेकर उज्बेकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए एक दीर्घकालिक व्यवस्था स्थापित करेंगे। बातचीत में व्यापार और निवेश बढ़ाने के साथ-साथ डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर भी जोर दिया गया। मोदी ने बैठक के दौरान कहा कि दोनों देश यूरेनियम की आपूर्ति के लिए लंबे समय की व्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।भारत के लिए यूरेनियम समझौता क्यों अहम है?

भारत तेजी से अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में परमाणु संयंत्रों के लिए जरूरी ईंधन की लगातार और भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। यूरेनियम की उपलब्धता को लेकर भारत पिछले कुछ वर्षों में अलग-अलग देशों के साथ दीर्घकालिक संबंध विकसित कर रहा है, ताकि किसी एक स्रोत पर निर्भरता कम की जा सके।ज्बेकिस्तान इस लिहाज से भारत के लिए एक अहम साझेदार बनकर उभर सकता है। मध्य एशियाई देश दुनिया के प्रमुख यूरेनियम उत्पादकों में शामिल है और उसने अपने यूरेनियम उद्योग को आगे बढ़ाने पर भी खासा ध्यान दिया है। देश की कोशिश सिर्फ कच्चे यूरेनियम के निर्यात तक सीमित रहने के बजाय इस क्षेत्र में ज्यादा मूल्यवर्धित गतिविधियों को बढ़ाने की भी रही



है। भारत और उज्बेकिस्तान के बीच यूरेनियम सहयोग बिल्कुल नया नहीं है। दोनों देशों ने 2019 में यूरेनियम अयस्क के कंसंट्रेट की आपूर्ति के लिए एक दीर्घकालिक समझौता किया था। अब नए सिरे से दीर्घकालिक सप्लाई व्यवस्था पर सहमति दोनों देशों के ऊर्जा सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है। यूरेनियम समझौते के साथ ही भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा देने का फैसला किया। इसका मतलब है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग का दायरा काफी व्यापक होने वाला है—जिसमें रणनीतिक, आर्थिक, तकनीकी और ऊर्जा से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहेंगे।प्रधानमंत्री मोदी की यह उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है। उनकी यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत मध्य एशिया के देशों के साथ अपने संबंधों को पहले से ज्यादा महत्व दे रहा है। ताशकंद में हुई बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश के अलावा डिजिटल क्षेत्र, रक्षा और ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की। बातचीत में भारत के 'विकसित भारत' और उज्बेकिस्तान के 'यांगी उज्बेकिस्तान' (नया उज्बेकिस्तान) जैसे विकास लक्ष्यों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

दोनों देशों ने आपसी रिश्तों को जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए तीन सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट व्यवस्थाएं स्थापित करने पर भी सहमति जताई है। इसका मकसद स्थानीय प्रशासन, संस्थानों और शहरों के बीच सीधे सहयोग को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों को इन व्यवस्थाओं की पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करना चाहिए। उनके मुताबिक, स्थानीय सरकारों और संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ने से द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिल सकती है।

बैठक के दौरान मोदी ने उज्बेकिस्तान में विकसित हो रहे 'न्यू ताशकंद' और भारत के गुजरात में बनी ल्ढ्ढस्रञ्ज ष्टह्वह्व4 का उदाहरण भी दिया। दोनों ही परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर आधुनिक शहरी विकास और तकनीक के इस्तेमाल से जोड़कर देखा जाता है। मोदी ने कहा कि भारत उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करेगा, ताकि वे ल्ढ्ढस्रञ्ज ष्टह्वह्व4 के विकास में अपनाई गई तकनीक और बेहतरीन तौर-तरीकों को करीब से समझ सकें। कुल मिलाकर, मोदी की ताशकंद यात्रा में भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को सिर्फ औपचारिक कूटनीतिक साझेदारी से आगे ले जाने की कोशिश साफ दिखाई दी। यूरेनियम सप्लाई से लेकर रक्षा, ऊर्जा, डिजिटल कनेक्टिविटी, निवेश और शहरी विकास तक—दोनों देशों ने ऐसे कई क्षेत्रों की पहचान की है, जहां आने वाले वर्षों में सहयोग को ज्यादा ठोस रूप दिया जा सकता है।

विचार

तबाहियों का भी अपना एक इतिहास बारूद पर उगा शहर

प्रकाश सिंह
लेखक

तबाहियों का भी अपना एक इतिहास होता है। आज की दुनिया लगातार युद्धों को झेल रही है। हर तरफ तबाही है लेकिन क्या युद्ध किसी शहर को मिटा सकता है? नहीं, इसी धरती पर एक ऐसा शहर है जिसने 115 युद्ध देखे, 44 बार तबाही के कगार पर पहुंचा लेकिन आज भी मुस्करा रहा है। क्योंकि जिंदगी कहीं रुकती नहीं।

आज जब गाजा के मलबे से उठता धुएं का गुबार, यरूशलम के पुराने पत्थरों पर गूंजती सायरन की आवाजें और कीव की ठंडी रातों में बरसती मिसाइलों की खबर दुनिया का ध्यान खींचती है, तो लगता है कि युद्ध की यह विभीषिका सिर्फ आज की सदी की देन है। लेकिन इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलता है कि जमीन के एक टुकड़े के लिए तबाह होने की यह कहानी बहुत पुरानी है।

अगर आज गाजा, यरूशलम और कीव बारूद के धुएं में अपनी सांसें गिन रहे हैं, तो यूरोप के केंद्र में एक ऐसा शहर बसा है जिसने इन सबसे कहींयादा दर्द झेला है। एक ऐसा शहर जो 115 से अधिक युद्धों का गवाह बना और जिसे 44 बार तबाही झेलनी पड़ी, लेकिन हर बार अपनी ही राख से उठकर फिर खड़ा हो गया- यह कहानी है सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड की।



यह शहर दो नदियों के संगम पर बसा है- सावा और डैन्यूब। इन दो महान नदियों के संगम पर बसा यह शहर अपनी मातृभाषा में बेओग्राद यानीसफेद शहर% कहलाता है। लेकिन इसका इतिहास सफेद रंगों सेयादा खून के लाल रंग से लिखा गया है। लगभग 10,000 साल पुरानी मानव सभ्यता के अवशेष समेटे बेलग्रेड की सबसे बड़ी ताकत ही उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बन गई- इसकी रणनीतिक स्थिति। पूर्व और पश्चिम के चौराहे पर बसे होने के कारण यह हर साम्राज्य की पहली पसंद रहा।

ईसा पूर्व चौथी सदी में केल्ट्स द्वारा बसाए जाने से लेकर रोमनों केसिंगिदुनम% तक, बेलग्रेड पर हर किसी की नजर रही। 5वीं सदी में अत्तिला द हुन ने इसे तबाह किया, फिर यह गॉथ, बाइजैन्टाइन, फ्रैंक्स और बुल्गारियाई शासकों के हाथों में घूमता रहा। 1521 में जब ऑटोमन सुल्तान ने इस पर कब्जा किया, तो बेलग्रेड ऑटोमन और ऑस्ट्रियाई साम्राज्य के बीच खूनी जंग का अखाड़ा बन गया। ऑटोमन काल में तो इसे युद्ध का घर तक कहा जाने लगा। 19वीं सदी में ऑटोमन शासन से मुक्ति मिली, लेकिन तबाही का दौर खत्म नहीं हुआ।

फिर प्रथम विश्व युद्ध में यह भीषण बमबारी का शिकार हुआ और द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने इसे तहस-नहस कर दिया। कम्युनिस्ट युगोस्लाविया की राजधानी बनने से लेकर 1990 के दशक में युगोस्लाविया के विघटन और 1999 की नाटो बमबारी तक बेलग्रेड ने आधुनिक काल में भी युद्ध का दंश झेला। अपने इतिहास में 15 बार अपना नाम बदलने वाला यह शहर हर बार युद्ध की आग में तपा और दोबारा बसाया गया। नामों का ये सिलसिला सिंगिदुनम, दार अल-जिहाद, बीओग्राद, एल्बा ग्रेका आदि कई नामों से होता हुआ बेलग्रेड पर रुका।

आज इस शहर की आबादी लगभग 17 लाख है। यहां 300 से अधिक सांस्कृतिक स्मारक, 50 संग्रहालय, 30 थिएटर और 700 से अधिक पुरातात्विक स्थल मौजूद हैं। सावा नदी के उत्तरी तट पर बसान्यू बेलग्रेड% आज इस शहर का नया चेहरा है। गगनचुंबी इमारतें, वैश्विक कंपनियों के कार्यालय और आधुनिक शॉपिंग मॉल्स यह साबित करते हैं कि बेलग्रेड अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर बढ़ चुका है।

लेकिन, तबाहियों की यादें आज भी जिंदा हैं। बेलग्रेड का हर पत्थर अपने अंदर युद्ध की किसी न किसी कहानी को समेटे हुए है। दो नदियों के संगम पर खड़ा यह प्राचीन किला शहर की सहनशक्ति का सबसे बड़ा प्रतीक है। इसकी दीवारों के नीचे रोमनों, सर्बों, हंगेरियन, तुर्कों और ऑस्ट्रियाई सैनिकों की पीढ़ियों की यादें दफन हैं। किले के भीतर स्थित सैन्य संग्रहालय में रखे 3,000 से अधिक प्राचीन हथियार, भारी बख्तरबंद और युद्धकालीन उपकरण इस रक्तरंजित इतिहास के सीधे गवाह हैं।

लेकिन, कभी युद्ध की मार से झुलसे इस शहर का बोहेमियन मोहल्लास्काडारलिया% अपनी 19वीं सदी की पत्थर की सड़कों और पारम्परिक रेस्तरां जैसे त्राई शेशिरा के साथ आज भी पुराने दौर की संगीतमय शामों की याद दिलाता है। जिस शहर को इतिहास ने 44 बार मिटाने की कोशिश की, आज वही बेलग्रेड दक्षिण-पूर्वी यूरोप का एक बेहद सुरक्षित, जीवंत और आर्थिक रूप से समृद्ध केंद्र बन चुका है।

आज यहां की नाइटलाइफ काफी मशहूर है। कभी तोपों की गूंज से कांपने वाला यह शहर आजकभी न सोने वाले शहरके रूप में जाना जाता है। सावा और डैन्यूब नदियों के पानी पर तैरते हुए रेस्तरां और क्लब जिन्हेंस्पलावोवी कहा जाता है, दुनिया भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।आज युद्ध से जूझ रही दुनिया के लिए बेलग्रेड एक उम्मीद की किरण है।



मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन : नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

●●●●

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर : अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

●●●●

एक यात्री किसान से : अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिलकुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

●●●●

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला : मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

●●●●

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

●●●●

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

●●●●

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

●●●●

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

रोमांचक यात्रा

विक्की स्कूल से बाहर निकला तो देखा, शाम का अंधेरा घिरने लगा था। आज स्पोर्ट्स प्रेक्टिस में काफी देर लग गई। घर के पास चौराहे पर पहुंच उसने सोचा, 'सड़क-सड़क जाऊंगा तो रास्ता लम्बा पड़ेगा। घर के पिछवाड़े खेत से छोटा पड़ेगा।'

लकड़ी का गेट खोल वह खेत की पगडंडी पर चल दिया। मौसमी सब्जियां खूब लगी थीं। अंधेरा न हुआ होता तो विक्की दो-तीन खीरे तोड़कर खा चुका होता। पर शाम के बाद पेड़-पौधे भी सो जाते हैं, मम्मी ने बताया था। चलते-चलते उसने चारों तरफ नजर डाली। लगा खेत के सब पौधे ऊंघने लगे थे। 'अरे, यह कद्दू?' विक्की ठिठका। सुबह तो कद्दू छोटा सा था। दिन भर में ही इतना बड़ा कैसे हो गया। वह देखने के लिए झुका। कुछ साफ दिखाई नहीं दिया। एकदम अंधेरा घिर आया। 'कल देखेंगे', सोच वह घर की तरफ बढ़ गया।

खाना खाते वक्त उसने मम्मी से कद्दू की बात की। 'टहनी पर लगे फल-सब्जी एक दिन में बड़े नहीं हो जाते। वक्त लगता है। अंधेरे में परछाई-वरछाई पड़ रही होगी।' विक्की को लगा, मम्मी की बात ही ठीक होगी। अगली सुबह न जाने क्यों विक्की खेत के रास्ते से हो स्कूल के लिए चला। कद्दू की बेल के पास आ ठिठका, देखा और हंस दिया, 'यह तो कल सुबह जितना छोटा ही है। रात जरूर किसी चीज की परछाई पड़ रही होगी।' आज उसकी आठवीं क्लास की प्रेक्टिस कुछ पहले खत्म हो गई। दसवीं के बच्चे अभी प्रेक्टिस कर रहे थे।

घर के पास वाले चौराहे पर आ विक्की ठिठका। फिर कुछ सोच सड़क छोड़, खेत के अन्दर से जाने लगा। 'ओह..तो..' विक्की बुदबुदाया। सुबह वाला छोटा सा कद्दू आज फिर बड़ा था। उसने चारों तरफ देखा। अभी अंधेरा नहीं हुआ था। दिन की रोशनी। परछाई के भ्रम का तो सवाल ही नहीं। उसने गौर से देखा। इस बेल में इतने बड़े कद्दू लगते ही नहीं। उसे लगा कद्दू बहुत धीरे-धीरे बड़ा हो रहा है। 'कोई जादू है क्या?' विक्की को आनन्द आने लगा '..हमारे खेत में जादू का कद्दू..।' उसने कहीं पढ़ा था कि भूत या जादू की बातें रात को होती हैं। उसने मन ही मन कुछ फैसला किया और घर चला आया। आज उसने मम्मी से कुछ नहीं कहा। रात के साढ़े ग्यारह बजे, घर के सब लोग सो चुके थे। विक्की बिस्तर से उठ चुपचाप खेत की तरफ चल दिया। कद्दू की बेल के पास पहुंच विक्की हैरान। कद्दू इतना बड़ा हो चुका था, जैसे खूब बड़ा मूढ़ा। 'हे भगवान! यह माजरा क्या है?' तभी विक्की को जैसे करंट लगा। उसने देखा, कद्दू बेल से अलग हो धीरे-धीरे ऊपर उठने लगा, जैसे हवाई जहाज टेक-ऑफ के बाद ऊपर उठता है। विक्की को पता नहीं क्या सूझा, वह उछल कर कद्दू पर बैठ गया। जो डंडी बेल से अलग हुई, वह इतनी बड़ी थी कि विक्की उसे दोनों हाथों से पकड़ आराम से बैठ गया। कद्दू ऊपर उठ हवा में उड़ने लगा। विक्की को जरा भी डर नहीं लगा। उसे खूब आनन्द आ रहा था। ऊपर से शहर कितना अच्छा लगता है। रात की ठंडी हवा..ऊपर आसमान में चमकते सितारे, नीचे शहर की सड़कों पर जलती बिजली की रोशनी। घरों, पेड़ों और नदी के ऊपर से होता हुआ कद्दू उड़े जा रहा था।

'क्या हम परीलोक जा रहे हैं,' विक्की ने सोचा।

बहुत देर उड़ते रहने के बाद कद्दू नीचे उतरने लगा। विक्की ने कस कर डंठल को पकड़ लिया। नीचे झांका। एक छोटी-सी बस्ती। छोटी साफ-सुथरी सड़कें। छोटे-छोटे घर। 'इतने छोटे घरों में कौन रहता होगा?' तभी कद्दू नीचे उतर रुक गया। उसके उतरते ही चारों तरफ से दौड़-दौड़ कर किस्म-किस्म के सब्जी व फल वहां जा पहुंचे।

'महाराज आ गए। महाराज की जय हो।' सबने आकर कद्दू को प्रणाम किया। महाराज ने मुस्करा कर सबका अभिवादन स्वीकार किया। छोटी सी लौकी बार-बार सामने आ उछल रही थी। महाराज ने उसे प्यार किया, 'कैसी हो छोटी? बहुत खुश लग रही हो।'

विक्की हैरानी से नजारा देख रहा था। डंठल के चारों तरफ का गड्ढा इतना बड़ा था, वह आराम से उसमें बैठा था। सामने एक छोटा सा झरना था। झरने के पानी में ढेरों सब्जियां नहा रही थीं।

'ओ..ये छोटे घर सब्जियों के हैं और यह बस्ती भी सब्जियों की लगती है।' तभी वहां एक आलू आया। खूब बड़ा। शोर उभरा, 'मंत्रीजी आ गए।'

मंत्री ने आकर राजा को प्रणाम किया।

'चलें महाराज? सभा में सब आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।'

'..हां, तुम सब यहीं रहो। महाराज जरूरी मीटिंग के लिए जा रहे हैं।' महाराज और मंत्री दोनों बस्ती के दूसरे छोर की तरफ चले। घरों से निकल सभी सब्जियां 'प्रणाम महाराज', कह अभिवादन कर रही थीं।

'पाय लागू महाराज', अचानक इस आवाज से महाराज ठहर गए।

'कौन है?'

एक छोटी-सी भिंडी सकुचाती हुई सामने आई।

'तुम हो? पाय लागू कहां से सीख लिया? मां ने सिखाया होगा?'

भिंडी शरमा कर घर में भाग गई।

आगे जाकर एक छोटे से मैदान में 5-6 बुजुर्ग सब्जियां, मतलब राजसभा के सदस्य बैठे थे।

महाराज ने सबका प्रणाम स्वीकार किया और अपनी गद्दी पर बैठ गए। उन्होंने बैंगन से कहा, 'अपनी रिपोर्ट दो।' 'महाराज। एक अफवाह तेजी से फैल रही है कि पड़ोस की सब्जी-नगरी का कद्दू राजा हमारे राज्य पर अधिकार करना चाहता है।' कटहल ने कहा, 'आपकी छत्रछाया में हम सब यहां कितने सुख और प्यार से रह रहे हैं। हम दूसरे को बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

'किसी ने उसे देखा है?' आलू ने कहा, 'देखा तो नहीं। पर, सुना है, एक दो दिन में हमला कर सकता है।'

'तुम्हें जो योजना बताई थी, याद है?' मिर्ची के बीज रख दिए हैं। उनके पीछे.., महाराज ने बीच में रोक दिया, 'उसके बाद किसी की जरूरत नहीं पड़ेगी।'

लम्बी छरहरी इमली ने कहा, 'महाराज! आप यहां से चले क्यों गए? आपके बिना हमें डर लगता है।'

महाराज जोर से हंसे, 'तुम्हें डर लगता है? तू तो अपनी खटास से किसी को भी बदहवास कर सकती है। तैयार रहना।'

'मैं तैयार हूं महाराज।' कद्दू ने कुछ देर मंत्रणा की। फिर कहा, 'अब हम चलते हैं। कल आएंगे। जैसे समझाया है, सब वैसे करना। हमें कोई जीत नहीं सकेगा।'

कद्दू उड़ कर वापस विक्की के खेत में आ अपनी जगह बैठ गया। विक्की उतर कर घर चला आया। उसे बहुत मजा आ रहा था। कद्दू की सवारी में तो खूब आनन्द आया। पर सब्जियों के राज्यों में भी युद्ध होता है। कद्दू ने कहा था वह कल भी जाएगा...हम कल भी जाएंगे।

विक्की अगली रात भी खेत में पहुंच गया। कद्दू जैसे उसी का इंतजार कर रहा था। उसके बैठते ही उड़ चला। विक्की को लगा आज कद्दू कल से ज्यादा बड़ा है। उसको बैठने के लिए खूब जगह मिल गई। विक्की अपने साथ तेज धार वाला बड़ा चाकू ले आया था, ..शायद जरूरत पड़ जाए।' सब्जी बस्ती में उतरते ही अजीब सा खौफ भरा सन्नाटा नजर आया। आलू ने बताया कि पक्की खबर मिली है कि वह आज हमला करेगा।

कद्दू ने कहा, 'हम आ गए हैं। घबराओ मत। तुम सब तैयार रहना। हम थोड़ा ऊपर उठ कर उसे देखने की कोशिश करते हैं।' कद्दू ऊपर उठा। कहीं कोई नजर नहीं आया। वह और ऊपर उठा। अचानक एक तरफ से पहाड़ सा कद्दू आकर इस कद्दू को टक्कर मारने को तैयार हुआ।

'आज हम तुझे मार कर इस बस्ती पर अधिकार कर लेंगे', कह कर कद्दू पर झपटा। वह टक्कर मारने वाला था कि चीख मार कर गिरने लगा। सबने देखा, उसका पेट फट गया था। बीज, गूदा सब बाहर निकल आया। वह मर रहा था। नीचे गिरते हुए उसकी चीखें धीमी पड़ती जा रही थीं।

नीचे किसी को समझ नहीं आया कि यह चमत्कार कैसे हो गया। विक्की का चाकू। बड़े कद्दू को पास आते देख विक्की ने चाकू उसके पेट में घुसेड़ दिया।

महाराज नीचे उतरे। मोटा कद्दू चारों खाने चित्त पड़ा था।

बस्ती वालों की जय-जयकार से आसमान गूंज उठा, 'हमारे महाराज सर्वश्रेष्ठ...महाराज की जय हो.. अब कोई दुश्मन हमारी तरफ आंख उठा कर नहीं देखेगा।'

जश्न के बाद कद्दू वापस जाने के लिए ऊपर उठा। खेत में आ अपनी जगह बैठ गया।

विक्की





छोटी गर्दन वाला सफेद गैंडा

बड़े सिर और भारी शरीर वाला सफेद गैंडा, गैंडों की पांच बड़ी प्रजातियों में से एक है और यह कुछ हाथियों की तरह दुनिया के बड़े स्तनपायियों में से एक माना जाता है।

लेकिन भारी शरीर के साथ इसकी गर्दन छोटी और छाती चौड़ी होती है। नर सफेद गैंडे का वजन 2300 किलोग्राम होता है। अब तक के सबसे बड़े गैंडे का वजन 4500 किलोग्राम तक रिकॉर्ड किया गया है। इस जानवर में एक खास बात यह है कि इसकी नाक पर दो सींग होते हैं, जो कैरोटिन के बने होते हैं। इस गैंडे में एक खास चीज और होती है, वह है इसके पीठ पर उठा हुआ कूबड़। घास को अच्छी तरह से खाने के लिए इसके पास चौड़ा मुंह होता है। वैसे तो इसके कान सब कुछ सुन लेते हैं, लेकिन यह ज्यादातर समय सूंघकर ही अपना काम चलाता है। इसकी नाक धरती पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में सबसे चौड़ी होती है। यह 40 से 50 साल तक जीवित रह सकता है।

निर्दयी शिकारी है टिम्बर भेड़िया

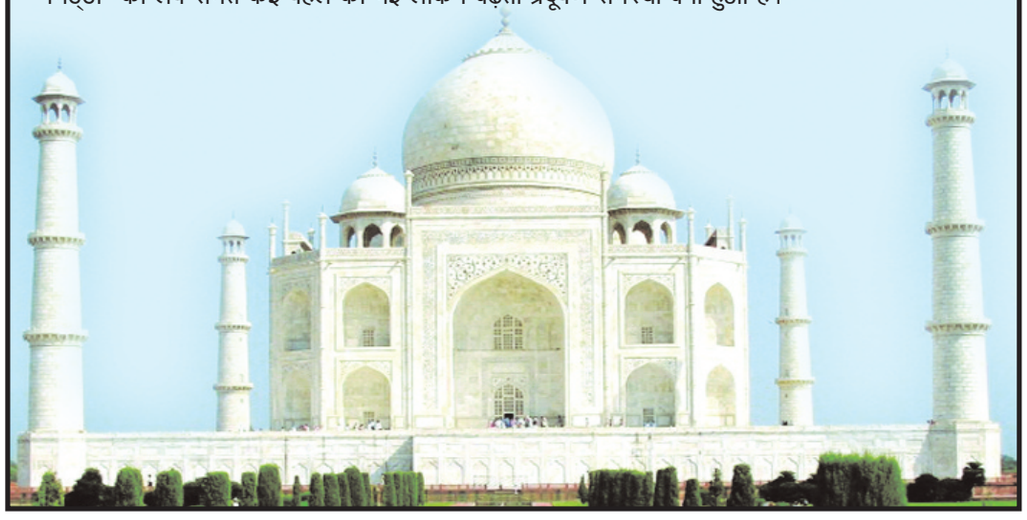


अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाया जाने वाला 'टिम्बर भेड़िया' देखने में हालांकि कुत्ते जैसा ही प्रतीत होता है किन्तु यह इतना शक्तिशाली होता है कि बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मार डालता है। लगभग डेढ़ मीटर लम्बा भेड़ियों की विशेष प्रजाति का सदस्य 'टिम्बर भेड़िया' सूंघकर नहीं बल्कि देखकर शिकार करता है। भूरे रंग का यह भेड़िया देखने में काफी सुंदर लगता है किन्तु इसे बहुत ही निर्दयी शिकारी माना जाता है, जो इतना ताकतवर जानवर है कि यह 'इल्क' जैसे बड़े-बड़े जानवरों को भी आसानी से मौत की नींद सुला डालता है। बस, एक बार कोई शिकार इनकी नजर में आ जाए, फिर उसका बचना लगभग नामुमकिन होता है। टिम्बर भेड़िए तब तक उसका पीछा नहीं छोड़ते, जब तक कि शिकार इनकी गिरफ्त में न आ जाए। बहुत दूर तक अपने शिकार का पीछा करने के बाद जब टिम्बर भेड़िया शिकार को दबोचने में सफल हो जाता है तो बुरी तरह उस पर टूट पड़ता है और बहुत ही निर्दयता से उसे मार डालता है। यही वजह है कि टिम्बर भेड़िया को एक 'निर्दयी शिकारी' भी कहा जाता है। अलास्का तथा उत्तरी कनाडा के जंगलों में पाए जाने वाले टिम्बर भेड़िए की तादाद अन्य भेड़ियों की तुलना में बहुत अधिक होती है, जहां भूरे रंग के टिम्बर भेड़िए ही बहुतायत में पाए जाते हैं। हालांकि टिम्बर भेड़ियों की गहरे भूरे रंग, हल्के लाल रंग तथा सफेद रंग की प्रजातियां भी पाई जाती हैं किन्तु ये प्रजातियां बहुत दुर्लभ हैं। टिम्बर भेड़िए के शरीर पर भूरे रंग की बहुत घनी और मुलायम फर होती है। इसकी करीब आधा मीटर लंबी पूंछ झाड़ियों जैसी घनी होती है।

जाने ताजमहल की कुछ अनसुनी बातें

मुमताज महल और शाहजहां के प्रेम का प्रतीक है ताजमहल। इसके निर्माण से संबंधित बहुत सारी कथाएं प्रचलित हैं। अपनी चौदहवीं संतान को जन्म देने के उपरांत बुरहानपुर में मुमताज महल की मौत हो गई। उनके पार्थिव शव को छह महीने तक इसी स्थान पर दफना कर रखा गया और कुछ समय बाद शव को कब्र से निकाल कर शाहजहां अपने साथ आगरा ले गए और उसे ताजमहल में दफनाया गया।

ताजमहल भारत का गौरव है और वह दुनिया के 8 अजूबों में से एक है। इसका निर्माण कार्य 1632 में शुरु हुआ था। इस स्मारक को बनाने में पूरे बाइस साल (1630-1652) लगे। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह खूबसूरत महल प्यार का प्रतीक माना जाता है। हर शुक्रवार को ताजमहल बंद रहता है। यह 400 वर्ष पुराना है और इसका निर्माण 20 हजार मजदूरों ने रात-दिन काम करके चमकीले सफेद संगमरमर से बेहतरीन मुगल वास्तुकला के नमूने के रूप में किया था। जो ईरानी और भारतीय शैलियों का सुमेल है। ताज परिसर में कदम रखते ही आप मंत्रमुग्ध हो जाते हैं कि इतनी खूबसूरत रचना मनुष्य ने कैसे की होगी। पूरे परिसर में सजावट के रूप में कुरान की आयतें उकरी हुई हैं। सफेद संगमरमर से बना यह मकबरा वर्गाकार नींव पर आधारित है। यह मेहराबरूपी गुंबद के नीचे है और यहां एक वक्राकार गेट के जरिए पहुंचा जा सकता है। 300 मीटर का वर्गाकार चार बाग भी ताजमहल की शोभा बढ़ाते हैं। इसमें कई उठे हुए रास्ते हैं, जो बाग को 16 फूलों की क्यारियों में बांटते हैं। ताजमहल की सुंदरता का कोई भी बखान नहीं कर सकता। ताजमहल के वजूद पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यमुना नदी में पानी का स्तर कम होने के कारण ताजमहल की नींव में लगी लकड़ी सूख रही है जिससे ताजमहल के अस्तित्व को भयानक खतरा हो सकता है। अन्य कारणों पर दृष्टिपात करें तो आगरा में ताजमहल के आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयों के खुलने के कारण इस धरोधर के क्षतिग्रस्त होने की आशंकाएं बढ़ गई हैं साथ ही खतरा इस इमारत की खूबसूरती पर दाग लगने का भी बढ़ रहा है। ताजमहल पर 'मुलतानी मिट्टी' का लेप समेत कई पहल की गई लेकिन बढ़ता प्रदूषण समस्या बना हुआ है।



न्यूज इन शॉर्ट

आर्थिक संबल से बच्चों के लालन-पालन एवं देखभाल में मिलेगी मदद

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा श्रमिक परिवारों की महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने तथा मातृत्व के दौरान सहयोग देने के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में श्रम विभाग द्वारा संचालित मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत गरियाबंद जिले की हितग्राही श्रीमती कविता ध्रुव को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई है। श्रीमती कविता ध्रुव ने बताया कि योजना के तहत प्राप्त सहायता राशि से उन्हें अपने बच्चों के लालन-पालन, देखभाल एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मातृत्व के दौरान मिलने वाली यह आर्थिक सहायता श्रमिक परिवारों के लिए काफी उपयोगी है। इससे परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने तथा नवजात शिशु की देखभाल में सहयोग मिलता है। उन्होंने सहायता राशि प्रदान करने के लिए राज्य शासन एवं श्रम विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ निर्धारित पात्रता एवं शर्तों के अनुसार पंजीकृत निर्माण श्रमिक महिला अथवा पंजीकृत निर्माण श्रमिक की पत्नी को दिया जाता है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए श्रम विभाग में पंजीयन होना आवश्यक है। बच्चे के जन्म के बाद निर्धारित आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संबंधित श्रम कार्यालय अथवा निर्धारित श्रम सुविधा केंद्र में जमा किए जा सकते हैं। पात्रता की जांच के बाद स्वीकृत सहायता राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में अंतरित की जाती है। श्रीमती कविता ध्रुव ने कहा कि इस तरह की जनकल्याणकारी योजनाएं श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ महिलाओं और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए भी सहायक हैं। उन्होंने अन्य पात्र हितग्राहियों से भी योजना की जानकारी लेकर इसका लाभ उठाने की अपील की।

योजना से गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार और माँ-बच्चे के पोषण में मिली मदद

गरियाबंद। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती महिलाओं एवं माताओं के लिए आर्थिक संबल बन रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता से महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक आहार लेने तथा माँ और बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण पर ध्यान देने में मदद मिल रही है। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखंड अंतर्गत ग्राम सहसपुर की निवासी श्रीमती रेखा बारीक भी इस योजना से लाभान्वित हुई हैं। श्रीमती बारीक ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं। पहली संतान के जन्म पर उन्हें योजना के तहत दो किस्तों में कुल 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता मिली। इसमें पहली किस्त के रूप में 3 हजार रुपये तथा दूसरी किस्त के रूप में 2 हजार रुपये प्रदान किए गए। वहीं, दूसरी बेटी के जन्म पर उन्हें 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता एकमुश्त प्राप्त हुई। इस राशि से उन्हें बच्चों के पोषण एवं देखभाल में आर्थिक मदद मिली। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उनका पंजीयन प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत कराया गया था। इसके बाद योजना की राशि सीधे उनके बैंक खाते में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि राशि सीधे खाते में आने से योजना का लाभ प्राप्त करना सरल और सुविधाजनक रहा।

श्रीमती रेखा बारीक ने योजना के माध्यम से मिली आर्थिक सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाएं गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण पर ध्यान देने में महत्वपूर्ण सहयोग करती हैं।

उप मुख्यमंत्री ने एनआईटी में आयोजित यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस में तकनीकी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों को किया संबोधित

उप मुख्यमंत्री ने एनआईटी में आयोजित यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस में तकनीकी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों को किया संबोधित

एनआईटी रायपुर और आईएनएई का दो दिवसीय आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



विकसित भारत का सपना आज के युवाओं के लिए है और आने वाले समय में वही इसका नेतृत्व करेंगे। देश को युवाओं की प्रतिभा, ज्ञान और सामर्थ्य से बड़ी उम्मीदें हैं। इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा हासिल कर रहे युवाओं को अपने ज्ञान, अध्ययन और नवाचार का उपयोग केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उसे समाज और राष्ट्रहित में लगाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में आयोजित दो दिवसीय यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में तकनीकी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी योग्यता और क्षमता से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कॉनक्लेव में उत्कृष्ट शोधपत्र प्रस्तुत करने वाले, परियोजना प्रदर्शनी और हैकाथॉन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले युवा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने एनआईटी में आयोजित यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस में तकनीकी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों को किया संबोधित

उप मुख्यमंत्री ने एनआईटी में आयोजित यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस में तकनीकी विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और वैज्ञानिकों को किया संबोधित

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी द्वारा दो दिनों के इस यूथ कॉनक्लेव-कम-नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया था। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रुप में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर काम कर रही है। देश में युवाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर मिल रहे हैं। युवा अपनी योग्यता, ज्ञान और क्षमता के बल पर न केवल स्वयं आगे बढ़ सकते हैं।

हर घर नल से जल की सुविधा से मिली राहत,

शनि के जीवन में आया बदलाव, जल जीवन मिशन से घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बेहतर जीवन और स्वस्थ परिवार की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साकार करने की दिशा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत संचालित जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। मिशन के तहत ग्राम जवारीटोला, ग्राम पंचायत करीं, विकासखंड भरतपुर, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के निवासी शनि के जीवन में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। घर पर नल से पेयजल उपलब्ध होने से अब उनकी पानी की जरूरतें पहले की तुलना में अधिक आसानी से पूरी हो रही हैं।

पानी के लिए दूर जाने की मजबूरी से मिली मुक्ति

शनि बताते हैं कि पहले उनके परिवार को दैनिक उपयोग के लिए पानी जुटाने में काफी परेशानी होती थी। स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के लिए कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था। पानी लाने में समय और मेहनत दोनों लगते थे, जिससे रोजमर्रा के अन्य कार्य भी प्रभावित होते थे। विशेषकर परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था।

सेवा सेतु से महज दो दिन में मिला आय प्रमाण पत्र, विशाल संदीप सोरेन को मिली बड़ी राहत

ऑनलाइन आवेदन से आसान हुई शासकीय सेवा,

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सेवा पहल 'सेवा सेतु' आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑनलाइन माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों के लिए आवेदन और प्रमाण पत्र जारी करने की सुविधा से नागरिकों को राहत मिल रही है। इसी क्रम में जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन को सेवा सेतु के माध्यम से आवेदन करने के महज दो दिनों के भीतर आय प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। कम समय में आवश्यक दस्तावेज मिलने से उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन की इस सुविधा की सराहना की।



दो दिन में जारी हुआ आय प्रमाण पत्र

तहसील मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत नगर पंचायत नई लेदरी निवासी विशाल संदीप सोरेन, पिता विलियम सोरेन ने आय प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया था। आवेदन के परीक्षण एवं निर्धारित औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात मात्र दो दिनों में उनका आय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। जारी प्रमाण पत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उनके परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 1 लाख 8 हजार रुपये दर्ज की गई है। निर्धारित समय में प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से उन्हें आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में सुविधा मिली।

डिजिटल सेवाओं से नागरिकों को मिल रही सहूलियत

आय प्रमाण पत्र शिक्षा, छात्रवृत्ति, विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं अन्य पात्रता संबंधी कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। ऐसे में समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त होने से नागरिकों को अपने आवश्यक कार्य पूरे करने में आसानी होती है।

42 न्यायाधीशों ने बच्चों को बताए अधिकार और सुरक्षा के उपाय



रायपुर। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए रायपुर के 21 विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत 42 न्यायाधीशों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें बाल संरक्षण कानूनों, व्यक्तिगत सुरक्षा, ऑनलाइन सतर्कता और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी।राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान में 10 अक्टूबर 2026 से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सहायता के उपलब्ध माध्यमों से परिचित कराना है। अभियान के तहत बच्चों को बताया जा रहा है कि किसी भी तरह की असुरक्षा या शोषण की स्थिति में वे किससे संपर्क करें, शिकायत कैसे दर्ज कराएं और निःशुल्क कानूनी सहायता कैसे प्राप्त करें।रायपुर और गरियाबंद जिले में अभियान के प्रथम चरण के अंतर्गत 26 से 31 अक्टूबर तक विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा साइबर क्राइम विभाग को शामिल करते हुए जिला स्तरीय समन्वय समिति गठित की गई है।

श्री रामलला दर्शन योजना से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में निःशुल्क दर्शन का लाभ

जशपुर जिले के 194 श्रद्धालु 16वें चरण में अयोध्या रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के श्रद्धालुओं को अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला के निःशुल्क दर्शन का अवसर मिल रहा है। योजना के तहत जशपुर जिले के 3,062 से अधिक श्रद्धालु अब तक अयोध्या पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं।

योजना के 16वें चरण में जशपुर जिले के विभिन्न जनपद पंचायतों, नगर पंचायतों और सियानगुड़ी क्षेत्र से कुल 194 श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुए। विगत दिवस जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम भगत एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत ने बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।यात्रा का पूरा खर्च वहन कर रही है छत्तीसगढ़ सरकार



श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के अयोध्या आने-जाने, ठहरने और भोजन की संपूर्ण व्यवस्था का खर्च छत्तीसगढ़ शासन वहन कर रहा है। इससे श्रद्धालुओं को बिना आर्थिक बोझ के प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का अवसर मिल रहा है। दर्शन कर चुके श्रद्धालुओं ने योजना के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बस्तर के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से मिल रही आत्मनिर्भरता की नई राह

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में शांति, विकास और आत्मनिर्भरता की नई तस्वीर उभर रही है। कभी नक्सल हिंसा और चुनौतियों से प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब युवाओं के हाथों में हुनर और भविष्य के प्रति नया विश्वास दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार की मंशा है कि बस्तर का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़े तथा विकास की मुख्यधारा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे। कौशल प्रशिक्षण, पुनर्वास और रोजगार के समन्वित प्रयासों से बस्तर अब हिंसा की पहचान से आगे बढ़कर शांति, हुनर, आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है।

कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को विशेष प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों (पुनर्वासितों) और नक्सल प्रभावित परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की इस पहल से पुनर्वासितों को सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही बस्तर में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।



पुनर्वासितों को हुनर से जोड़ने की अभिनव पहल

राज्य सरकार द्वारा बस्तर संभाग के पुनर्वासितों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विशेष कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत कुल 7,567 आत्मसमर्पित माओवादियों में से अब तक 2,323 को विभिन्न व्यवसायों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। यह प्रशिक्षण मुख्य रूप से बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और गरियाबंद जिलों में दिया गया है।प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, राजमिस्त्री, सोलर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र), दोपहिया एवं चारपहिया वाहन मरम्मत तकनीशियन तथा सिलाई मशीन ऑपरेटर जैसे रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में दक्ष बनाया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिल रही है।

पांच मिनट में बुजुर्ग चोवा राम को मिला श्रवण यंत्र, लौट आई सुनने की उम्मीद

जनदर्शन में संवेदनशील पहलः



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जनदर्शन केवल आवेदन देने का माध्यम नहीं, बल्कि आम नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का एक सशक्त मंच है। इसका भावनात्मक उदाहरण ग्राम डोंगरा निवासी बुजुर्ग चोवा राम के मामले में देखने को मिला, जिन्हें लंबे समय से कानों से सुनाई नहीं देने की समस्या से राहत पाने की उम्मीद उस समय मिली, जब कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए महज पांच मिनट के भीतर समाज कल्याण विभाग के माध्यम से उन्हें श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया।बुजुर्ग श्री चोवा राम अपनी सुनने की समस्या को लेकर जनदर्शन में पहुंचे थे।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल